सीएम योगी ने समापन पर अरैल घाट पर लगाई झाड़ू, की सफाई

महाकुंभनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज प्रयागराज पहुंचे। यहां उन्होंने श्रमदान करते हुए झाड़ू लगाकर अरैल घाट पर साफ-सफाई की। फिर संगम घाट पर जाकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनके साथ दोनों डिप्टी सीएम मौजूद रहे। सीएम योगी ने महाकुंभ को सफल बनाने वाले लोगों का आभार भी व्यक्त किया। इसमें पुलिसकर्मी, सफाईकर्मी समेत तमाम विभागों के लोग शामिल थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केपी मौर्य और कैबिनेट के अन्य मंत्रियों ने प्रयागराज के अरैल घाट-संगम पर पूजा की और औपचारिक तौर पर से महाकुंभ का समापन किया।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि महाकुंभ में आए सभी श्रद्धालुओं का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं सहयोग प्रदान करने वाले सभी सफाई कर्मचारियों, डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स और अन्य कर्मचारियों का अभिनंदन करता हूं और आभार व्यक्त करता हूं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

इस अवसर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राकेश सचान, **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

कई शताब्दियों की नींव रख गया महाकुंभ : प्रधानमंत्री

महाकुंभ के समापन पर पीएम ने लिखा ब्लॉग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ के समापन पर इसे 'एकता का महायज्ञ' बताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में, पीएम मोदी ने प्रयागराज में 45 दिनों तक चले आयोजन में जुटे 140 करोड़ देशवासियों की जबरदस्त एकता पर अपनी हैरानी जताई। 'महाकुंभ का समापन हो गया है। एकता का महायज्ञ पूरा हो गया है। प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में 45 दिनों तक जिस तरह से 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ आई, एक ही समय में, एक उत्सव में शामिल हुई, वह अभिभूत करने वाला है! महाकुंभ के समापन के बाद मेरे मन में जो विचार आए, उन्हें मैंने कलमबद्ध करने का प्रयास किया है।'

उन्होंने आगे 'एकता का महाकुंभ, युग परिवर्तन की ध्वनि' शीर्षक से अपने ब्लॉग का लिंक साझा किया, जहां उन्होंने अपने विचारों को विस्तार से बताया। ब्लॉग में पीएम मोदी ने इस

आयोजन को राष्ट्र की चेतना के प्रतीकात्मक जागरण के रूप में वर्णित किया, जो सदियों की गुलामी के अंत और एक नए युग के उदय का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'महाकुंभ समाप्त हो गया। एकता का महायज्ञ समाप्त हो गया। जब किसी राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वह सैकड़ों वर्षों की गुलामी की मानसिकता की सभी बेड़ियों को तोड़ देती है और नई चेतना के साथ हवा में सांस लेना शुरू करती है, तो ऐसा ही दृश्य दिखाई देता है, जैसा हमने 13 जनवरी से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा।

22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान, मैंने ईश्वर की भक्ति के माध्यम से देशभक्ति के बारे में बात की थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी-देवता एकत्र हुए, संत-महात्मा एकत्र हुए, बच्चे-बूढ़े एकत्र हुए, महिलाएं-युवा एकत्र हुए और हमने देश की जागृत चेतना देखी। पीएम ने कहा कि यह उत्सव हमें एकता और सद्भावना की प्रेरणा देता है। उन्होंने लिखा, 'पवित्र नगरी प्रयागराज के इस क्षेत्र में एकता, सद्भावना और प्रेम का पवित्र क्षेत्र श्रृंगवेरपुर भी है, जहां भगवान श्री राम और निषादराज का मिलन हुआ था। उनके मिलन की वह घटना भी हमारे इतिहास में भक्ति **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नजफगढ़ बने नाहरगढ़ और मोहम्मदपुर बने माधवपुर

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के मौजूदा सत्र का आज तीसरा दिन है। विपक्ष के 21 विधायकों के सस्पेंड होने के बाद आज सदन में केवल सत्ताधारी बीजेपी विधायक ही मौजूद हैं। सदन में आज दिल्ली के नजफगढ़ का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा गया। वहीं सदन में मोहम्मदपुर का नाम बदले जाने की भी मांग की गई।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने महाकुंभ के सफल आयोजन को लेकर सीएम योगी और पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। इसके बाद अन्य विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को सदन में रखना शुरू किया।

इस दौरान नजफगढ़ से बीजेपी विधायक नीलम पहलवान ने सदन में नजफगढ़ का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने इसका नाम नाहरगढ़ से बदलकर नजफगढ़ रखा था। नीलम पहलवान ने कहा, '1857 की लड़ाई में राजा नाहर सिंह ने लड़ाई लड़के नजफगढ़ क्षेत्र को दिल्ली के प्रांत में शामिल करवाया था, लेकिन कई कागजी कार्रवाई होने के बावजूद भी आजतक नाम नहीं बदला गया। उन्होंने नजफगढ़ का नाम बदलकर नाहरगढ़ करने की मांग की।

वहीं आर.के. पुरम से भाजपा विधायक अनिल शर्मा ने भी मोहम्मदपुर का नाम बदलकर माधवपुर करने की मांग की।

बूंदाबांदी से दिल्ली एनसीआर में बढ़ी ठंडक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज आज बदल गया है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। गुरुवार सुबह दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में बूंदाबादी देखी गई। बारिश के चलते अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले कई दिनों से दिल्ली एनसीआर में मौसम गर्म होने लगा था, ऐसे में आज हुई बूंदाबांदी ने मौसम में ठंडक ला दी है।

मौसम विभाग ने राजधानी दिल्ली में गुरुवार के लिए आसमान में बादल छाए रहने और गरज के साथ हल्की बारिश होने की आशंका जताई थी। इस दौरान 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने और अधिकतम **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गाजियाबाद में 4 डिग्री लुढ़का पारा

गाजियाबाद में गुरुवार को अधिकतम तापमान चार डिग्री गिरावट के साथ 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान भी दो डिग्री नीचे आकर 15 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। सुबह करीब 7:45 बजे गरज के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। हालांकि, एक दिन पहले बुधवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था, जिसके बाद गर्मी महसूस हुई। रात में भी लोगों को सर्दी का एहसास नहीं हुआ।

फ्लैट में लगी आग मुश्किल से बची जान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की निराला ग्रीनशायर सोसायटी के एक फ्लैट में देर रात भयंकर आग लग गई।

आग लगने के बाद फ्लैट में लगे स्प्रिंकलर तो खुले पर हाइड्रेट में पानी न होने के कारण आग नहीं बुझी। फ्लैट मालिक ने बालकनी से आवाज लगाकर पार्क में बैठे लोगों को बुलाया। जिस समय आग लगी परिवार के सदस्य फ्लैट में ही थे। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ट्रक लूट मामले में तीन साल से था फरार, पुलिस ने दबोचा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नई बस्ती पट्टी मुडाला नाला के पास कस्बा व थाना खेकड़ा बागपत के 30 वर्षीय सोनू के रूप में हुई है।

एडीसीपी अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम बसंतपुर बागर के पास चेकिंग कर रही थी, तभी मोटरसाइकिल पर एक व्यक्ति आता दिखाई दिया, जिसको रुकने का इशारा किया तो भागने लगा।

बताया कि शक होने पर पुलिस ने पीछा किया, तो आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में चलाई गई पुलिस की गोली से सोनू घायल हो गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी के ऊपर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस, मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी ने साल 2022 में अपने आठ साथियों के साथ मिलकर लोहे की चद्दरों से भरे ट्रक में लूट की थी। पूर्व में पुलिस मय ट्रक व माल के साथ अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। सोनू उर्फ निजाम पिछले तीन साल से फरार चल रहा था। आरोपी पर गाजियाबाद, बागपत समेत गौतमबुद्ध नगर में सात मुकदमे पंजीकृत हैं।

आप विधायकों को विधानसभा के बाहर रोका, धरने पर बैठे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद भाजपा व आप नेताओं में तन गई है। आज दिल्ली विधानसभा परिसर में आम आदमी पार्टी के विधायकों को जाने से रोक दिया गया। दिल्ली पुलिस ने बैरिकेड लगाए हैं। संजीव झा, कुलदीप कुमार और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी को विधानसभा परिसर के बाहर ही रोक दिया गया है। इस दौरान आतिशी की पुलिस के साथ बहस भी हुई।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष के आदेश पर पुलिस, आप विधायकों को विधानसभा परिसर में नहीं जाने दे रही। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और क्क नेता आतिशी ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ विधानसभा परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही शुरू हो गई। दिल्ली विधानसभा में प्रयागराज कुंभ को सफल करार देते हुए प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश सरकार को बधाई दी गई। दिल्ली विधानसभा के बाहर दिल्ली पुलिस व आप नेताओं में काफी देर तक बहस हुई।

यह गैर लोकतांत्रिक कदम है : आतिशी

पूर्व मुख्यमंत्री और दिल्ली की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि पुलिस अधिकारी कह रहे हैं कि हम (आप विधायक) विधानसभा से निलंबित हैं इसलिए हमें विधानसभा परिसर में भी प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। यह गैर लोकतांत्रिक और गैर संवैधानिक है। आज तक देश के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है। किसी भी विधानसभा में चुने हुए विधायक को कभी नहीं रोका जाता। संसद में भी गांधी प्रतिमा के नीचे निलंबित होने पर भी विरोध होते हैं। आखिरकार हमें कैसे रोका जा सकता है? हमने अध्यक्ष से बात करने की कोशिश की लेकिन कोई बात नहीं हो रही है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *नि:शुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

साइबर अपराध

म्यांमार और पूर्वी एशिया के कई देशों से जो संगठित साइबर अपराध संचालित हो रहे हैं, उनके चंगुल में बड़ी संख्या में भारतीय युवा भी हैं। हाल ही में म्यांमार के दुर्गम इलाकों में बनाये गए साइबर अपराधियों के अड्डों से सत्तर भारतीय युवाओं को छुड़ाया गया है। जिनको डरा-धमकाकर भारत में साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये इस्तेमाल किया जाता था। बताया जाता है साल 2022 के बाद म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया आदि से छह सौ से अधिक भारतीयों को अपराधियों के चंगुल से बचाया जा चुका है। आशंका है कि कई हजार भारतीय युवा म्यांमार समेत विभिन्न देशों में साइबर अपराधियों के अड्डों में जबरन रोके गए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय युवा प्रतिभाएं दलालों की साजिश से संगठित साइबर अपराध करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अपराधियों के चंगुल में फंस जाती हैं। विडंबना ही है कि हम अपने युवाओं को न तो रोजगार दे पा रहे हैं और न ही विदेशों में अपना भविष्य संवारने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को फर्जी एजेंटों के चंगुल से बचा पा रहे हैं। आखिर हमारी एजेंसियां ऐसी धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रही हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि युवा अपनी जमीन बेचकर व कर्ज उठाकर विदेश जाते हैं, लेकिन एजेंटों की धोखाधड़ी से वे साइबर अपराधियों के शिकंजे में फंस जाते हैं। दरअसल, साइबर अपराधियों का मकड़जाल इतना मजबूत हो चुका है कि बिना अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के उन पर नियंत्रण कर पाना संभव न होगा। ऐसे वक्त में जब साइबर अपराधियों का नेटवर्क दुनिया की आर्थिकी को चूना लगा रहा है, मिल-जुलकर इनके खिलाफ अभियान चलाना वक्त की जरूरत है। निश्चित रूप से यह एक विकट संकट है, जिसे दुनिया के देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यह जानते हुए कि साइबर अपराधियों का संगठन लगातार ताकतवर होता जा रहा है और वे समानांतर काली अर्थव्यवस्था चला रहे हैं। दरअसल, हो यह रहा है कि देश-दुनिया में ऑनलाइन फ्रॉड लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वे सुनहरे सपने दिखाकर बेरोजगार युवाओं को फंसाते हैं। उन्हें जगह कोई और बतायी जाती है और अंततः साइबर अपराधियों के अड्डों पर पहुंचा दिया जाता है। युवाओं के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। ये अड्डे ऐसी जगहों पर होते हैं कि उस देश की पुलिस की पकड़ में वे आसानी से नहीं आते। हाल के वर्षों में साइबर अपराधी इतने चतुर-चालाक हो गए हैं कि निगरानी करने वाली एजेंसियों की पकड़ से आसानी से बच जाते हैं। हाल ही में जिन सत्तर भारतीयों को म्यांमार में साइबर अपराधियों के चंगुल से मुक्त कराया गया, उसमें म्यांमार के सीमा सुरक्षा बल की बड़ी भूमिका रही है। इन मुक्त कराए गए भारतीयों में पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,यूपी व राजस्थान आदि राज्यों के लोग थे। इसी तरह म्यांमार व अन्य पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए भारतीयों को मुक्त कराने के लिए इन देशों की सरकारों से सहयोग मांगा जाना चाहिए। निश्चित तौर पर साइबर अपराधियों द्वारा संचालित अपराधों की लगातार मजबूत होती काली अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया की आर्थिक व कानूनी सुरक्षा के लिये चुनौती है। दरअसल, इस काले धन से नशे के कारोबार, आतंकवाद और मानवीय तस्करी जैसे अपराधों को अंजाम दिया जाता है। इस संगठित आपराधिक नेटवर्क पर अविलंब अंकुश लगाने की जरूरत है। जिससे न केवल एक तरह से बंधक बनाये गए युवाओं को मुक्त कराया जा सकेगा बल्कि तेजी से बढ़ती ऑनलाइन ठगी पर अंकुश लग सकेगा। दरअसल, इन साइबर अपराधियों की ऑनलाइन धोखाधड़ी के कारण हर साल कई ट्रिलियन डॉलर का नुकसान विभिन्न देशों की सरकारों को हो रहा है। जो दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की जीडीपी के बराबर है। निश्चित तौर पर यह धनराशि दूसरे अपराधों को सींचने में खर्च की जाएगी। एक ओर जहां देश में युवाओं के विदेश जाने वाली व्यवस्था को पारदर्शी व तार्किक बनाने की जरूरत है, वहीं विदेश में भविष्य चमकाने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को जागरूक व सतर्क करने की जरूरत है ताकि वे साइबर अपराधियों के चंगुल में न फंसें।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि एक बार नारदजी ने शाप दिया, अतः एक कल्प में उसके लिए अवतार हुआ। यह बात सुनकर पार्वतीजी बड़ी चकित हुईं (और बोलीं कि) नारदजी तो विष्णु भक्त और ज्ञानी हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कारन कवन श्राप मुनि दीन्हा। का अपराध रमापति कीन्हा॥
यह प्रसंग मोहि कहहु पुरारी। मुनि मन मोह आचरज भारी॥

मुनि ने भगवान को शाप किस कारण से दिया। लक्ष्मीपति भगवान ने उनका क्या अपराध किया था? हे पुरारि (शंकरजी)! यह कथा मुझसे कहिए। मुनि नारद के मन में मोह होना बड़े आश्चर्य की बात है॥

दो0-बोले बिहसि महेस तब ग्यानी मूढ़ न कोइ।
जेहि जस रघुपति करहिं जब सो तस तेहि छन होइ॥

तब महादेवजी ने हँसकर कहा- न कोई ज्ञानी है न मूर्ख। श्री रघुनाथजी जब जिसको जैसा करते हैं, वह उसी क्षण वैसा ही हो जाता है॥

कहउँ राम गुन गाथ भरद्वाज सादर सुनहु।
भव भंजन रघुनाथ भजु तुलसी तजि मान मद॥

(याज्ञवल्क्यजी कहते हैं-) हे भरद्वाज! मैं श्री रामचन्द्रजी के गुणों की कथा कहता हूँ, तुम आदर से सुनो। तुलसीदासजी कहते हैं- मान और मद को छोड़कर आवागमन का नाश करने वाले रघुनाथजी को भजो॥

(क्रमशः...)

राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के प्रतीक हैं देवाधिदेव शिव

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं।

में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों को नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

- योगेश कुमार गोयल

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतुके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे हैं। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा? प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा,

उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ कीं, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतुकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी-योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते हैं, जो धर्म एवं संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, विश्व मानवता को जोड़ने वाली है, उस पर कीचड़ उछाल कर वे सछिद्र नाव में सवार हैं। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा है।

महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है। विपक्षी दलों के बयान ना सिर्फ उनके सनातन विरोधी चरित्र को दिखाता हैं बल्कि उनकी गिद्धदृष्टि को भी उजागर करता है जो महाकुंभ के खिलाफ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। जबकि विदेशों से आये मेहमानों ने महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है, इटली से आए एक श्रद्धालु ने कहा, यहां आकर जो मेरा अनुभव है, वह काफी शानदार रहा है। इटली के ही एक फोटोग्राफर ने कहा कि वह महाकुंभ की तस्वीरें लेने आए हैं। कुंभ में घूमने के दौरान कुछ लोगों से मिलने का मौका मिला। मुझे भारत की विविधता काफी अच्छी लगती है। उन्होंने बताया कि वह अब तक पांच कुंभ मेलों में शामिल हो चुके हैं, लेकिन यह उनमें सबसे बेहतर है। ब्रिटेन से आई एक श्रद्धालु ने कहा, बहुत खुश हूं। यह एक बहुत ही खास जगह है। यह काफी जादुई लगता है। बहुत, बहुत अच्छा, एक प्यारा अनुभव। ब्रिटेन के ही एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि यहां गंगा नदी में स्नान का अनुभव काफी अच्छा है। मैं समझता हूं कि भारत सबसे बढ़िया देश है। इस तरह भारत के गौरव को बढ़ाने वाली इन टिप्पणियों से न केवल महाकुंभ बल्कि सनातन संस्कृति का दुनिया में परचम फहराया है बल्कि उसमें चार चांद लगे हैं।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राशिफल

फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

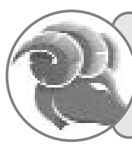

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा बहुत अच्छी नहीं होगी। भ्रामक समाचार की प्राप्ति होगी।

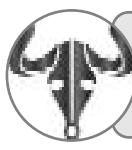

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कोर्ट-कचहरी से बचें। राजनीति में थोड़ी सी सुसुप्तावस्था अवस्था रहेगी।

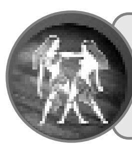

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। धर्म-कर्म में अतिवादी होने से बचें। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम, संतान मध्यम।

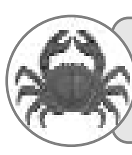

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान ठीकठाक, व्यापार भी मध्यम गति से आगे बढ़ेगा।

सिंह- (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी को बहुत अच्छा नहीं रहेगा।

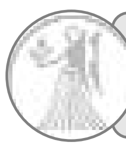

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्यों में विघ्न-बाधा रहेगी। फिर भी आपके पक्ष में आएगा। स्वास्थ्य मध्यम।

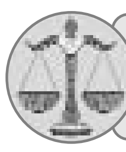

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
कई तरह की चीजें मन में चलेंगी। कंफ्यूजन बढ़ेगा। थोड़ा अवसादग्रस्त रहेंगे। प्रेम में तू-मैं-मैं रहेगा।

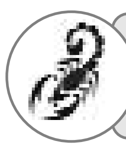

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में परेशानी का सामना पड़ेगा। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

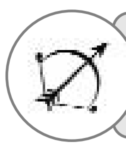

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
व्यापारिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नाक, कान व गला की परेशानी हो सकती है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आर्थिक परेशानी रहेगी। कुटुंबों में थोड़ी सी कहासुनी हो सकती है। जुबान पर काबू रखें।

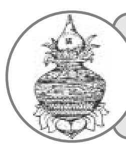

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। घबराहट, बेचैनी व मानसिक परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
कई तरह के खर्चे मन को परेशान करेंगे। बच्चों से दूरी रहेगी। प्रेम में अपनापन समझ नहीं आएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह महाकुम्भ 2025 की औपचारिक पूर्णाहुति के लिए प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकुम्भ नगर के अरैल घाट पर सफाईकर्मियों के साथ मिलकर घाट की सफाई की और गंगा तट पर स्नानार्थियों द्वारा छोड़ी गए वस्त्र आदि को साफ करने में अपने मंत्रियों के साथ श्रमदान किया। जल में मौजूद छोड़े गए वस्त्रों को निकालकर महाकुम्भ के उपरांत पूरे मेला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए अभियान का शुभारंभ किया।

यूक्रेन की कंपनी की डिस्ट्रीब्यूटरशिप के नाम पर 68 लाख की ठगी

नोएडा। यूक्रेन की बेवरेज कंपनी की डिस्ट्रीब्यूटरशिप दिलाने के नाम पर 68 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में कंपनी की सीईओ, चार निदेशकों और एक ऑपरेशनल मैनेजर के खिलाफ कोतवाली फेज-1 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस कोर्ट के आदेश पर दर्ज रिपोर्ट की जांच कर रही है। सेक्टर-1 स्थित जिपकॉन फूड एंड बेवरेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दीपक संगरपाल ने कोर्ट में अर्जी दी थी कि सेक्टर-142 में न्यू एज बेवरेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएबीआईपीएल) का कार्यालय है, जिसका मुख्यालय यूक्रेन में है। यह कंपनी एनर्जी ड्रिंक्स और सॉफ्ट ड्रिंक्स का कारोबार करती है।

आरोप है कि मार्च 2023 में जिपकॉन और एनएबीआईपीएल के बीच डिस्ट्रीब्यूटरशिप को लेकर करार हुआ था। शुरुआत में 30 लाख रुपये आधारभूत ढांचे के लिए निवेश करवाए गए। इसके बाद दिसंबर 2023 में डेढ़ प्रतिशत की छूट को समाप्त कर दिया गया। जनवरी 2024 से मार्च 2024 तक कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया गया। इस तरह कुल 68 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। पीड़ित पक्ष ने सिस्टम हैक कर डाटा चोरी करने का भी आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर कंपनी की सीईओ इरयाना, निदेशक रोमन बोंडर, यूरी राक, यूरी बयोकरिज, उदय जिंदल और प्रबंधक ऑपरेशन शिल्पी कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सरस आजीविका मेले में लखपति महिलाओं को दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण

नोएडा। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से लखपति दीदी को निर्यात के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। नोएडा के सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट में यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। इसमें स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने उत्पाद बेचने के लिए आवश्यक कौशल सिखाया जा रहा है। प्रशिक्षण विशेषज्ञ अंजली भटनागर ने बताया कि इस कार्यक्रम में निजी कंपनियों की मदद से महिलाओं को निर्यात मानकों, व्यापार नीतियों और पैकेजिंग तकनीकों की जानकारी दी जा रही है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उनके उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाना है। सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों से महिलाएं अब अपने हस्तनिर्मित उत्पादों को विदेशों में निर्यात कर सकेंगी।

बहलोलपुर नोएडा सेक्टर-63 नोएडा में स्थित शिव मंदिर पर हवन-यज्ञ के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

शहीद विजय सिंह पथिक की 144वीं जयंती पर निकाली जन चेतना रैली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा उत्तर प्रदेश द्वारा क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक की 144वीं जयंती पर भव्य जन चेतना रैली निकाली गई।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी अमरजीत चौधरी ने बताया कि क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक की 144वीं जयंती की पूर्व संध्या पर किया भव्य रोड शो, जन चेतना रैली ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के सादोपर मंदिर से से शुरू हुई और फिर अच्छेजा, सादुल्लापुर वैदपुरा, सैनी सुनपुरा, खेडी, खोदना और श्योराजपुर गांव से होती हुई तिलपता गांव के बाबा फार्म हाउस में पहुंची जहां कार्यक्रम का समापन हुआ।

जन चेतना रैली जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के तौर पर अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बच्चू सिंह बैसला ने सन 1947 क्रांति के क्रांतिवीर शहीद विजय सिंह पथिक के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंग्रेजी शासन में शहीद विजय सिंह पथिक ने और राजस्थान के किसानों की आंखों की आवाज को बुलंद करते हुए तत्कालीन सरकार को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया था। ब्रिटिश सरकार झुकी और किसानों को कई तरह के टैक्सों से राहत मिली यह आंदोलन इतिहास में बिजोलिया आंदोलन के नाम से प्रसिद्ध हुआ। उन्होंने कहा कि इस तरह की क्रांतिवीर और राष्ट्र नायक शहीद विजय सिंह पथिक को भारत रत्न दिया ही जाना चाहिए इसके साथ ही एक यूनिवर्सिटी भी उनके नाम पर सरकार को स्थापित करनी चाहिए।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल कसाना, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय भैया, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर नागर आदि वक्ताओं ने भी शहीद विजय सिंह पथिक के जीवन पर प्रकाश डाला। सभा की अध्यक्षता अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के गौतम बुद्ध नगर जिला अध्यक्ष पंचशील गुर्जर ने की जबकि मंच संचालन अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष व शहीद धन सिंह कोतवाल ट्रस्ट मेरठ के निदेशक सुखवीर सिंह आर्य ने करते हुए शहीद विजय सिंह पथिक को आजादी की लड़ाई के इतिहास का अमर सपूत बताया, साथ ही उन्होंने आगंतुकों का आभार भी व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीएन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नागर, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह आर्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मुकेश , प्रदेश महामंत्री महेंद्र प्रधान, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय भैया, प्रदेश उपाध्यक्ष रिंकू अधाना, प्रदेश महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी अमरजीत चौधरी, प्रदेश महामंत्री चैनपाल प्रधान, प्रदेश मंत्री संजय भाटी, जिला अध्यक्ष कैप्टन पंचशील गुर्जर, बुलंदशहर जिला अध्यक्ष बृजेश अधाना, जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ शिवा भाटी, जिला उपाध्यक्ष सचिन नागर, जिला उपाध्यक्ष सुमित, अरविंद भाटी डाढा, सोनू गुर्जर, श्याम आदि लोग मौजूद रहे।

अरे पाषाण!

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

तू क्या करेगा कल्याण
फिर भी हम तुम्हारे दास
व्यर्थ की आश
धर्म वर्ग के प्रतीक
छुआछूत के अतीत
इतिहास की मर्यादा तुझे बहुत माना मैंने
पर क्या कभीं अपना मौन तोड़ा तुमने
न जाने कितने वर्ष बीत गए
यह कड़वा आदर्श
जिलाया जा रहा वर्ष दर वर्ष
लोग तेरे नाम पर
करते चले आ रहे संघर्ष
फिर भी न कोई हल, न प्रतिफल
बस लड़ाई चली आ रही प्रतिपल
पर तू मौन हो, देख रहा यह अनर्थ
अगर तू है तो तेरा होना व्यर्थ।

गार्डेनिया एम्स ग्लोरी सोसाइटी की बिल्डिंग जर्जर, स्ट्रक्चरल ऑडिट की मांग

निवासियों का दावा, प्रशासन को 25 बार दी शिकायत, फिर भी नहीं हुई सुनवाई

नोएडा। सेक्टर-46 स्थित गार्डेनिया एम्स ग्लोरी सोसाइटी के 1400 से अधिक परिवार अपनी बिल्डिंग की जर्जर स्थिति को लेकर चिंतित हैं। वे लंबे समय से स्ट्रक्चरल ऑडिट की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन का दावा है कि शासन और प्रशासन को 25 से अधिक बार पत्र और ईमेल भेजे जा चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सोसाइटी निवासी प्रभा गुप्ता और पुनीत धनखड़ ने बताया कि सोसाइटी में करीब 1450 फ्लैट हैं, जहां 2015 से लोग रह रहे हैं। बिल्डिंग में एक्सपेंशन जॉइंट की समस्या है, जिससे बारिश का पानी बेसमेंट में भर जाता है। इससे पिलर कमजोर हो रहे हैं, प्लास्टर झड़ रहा है और लोहे के सरिये बाहर निकल रहे हैं।

निवासियों का कहना है कि अगर जल्द ही स्ट्रक्चरल ऑडिट नहीं हुआ, तो बिल्डिंग की स्थिति और खराब हो सकती है। उनका आग्रह है कि शासन-प्रशासन जल्द से जल्द इस मामले में हस्तक्षेप करे और बिल्डर को आवश्यक सुधार कार्य करने का निर्देश दे।

पृष्ठ एक के शेष....

सीएम योगी ने समापन...

नंद गोपाल गुप्ता नंदी, अनिल राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कई शताब्दियों की...

और सद्भावना के संगम की तरह है। प्रयागराज का यह तीर्थ आज भी हमें एकता और सद्भावना की प्रेरणा देता है।' उन्होंने कहा, 'पिछले 45 दिनों से मैं हर रोज देख रहा हूं कि कैसे देश के कोने-कोने से लाखों लोग संगम तट की ओर बढ़ रहे हैं। संगम पर स्नान करने की भावना की लहर बढ़ती जा रही है। हर श्रद्धालु बस एक ही चीज के मूड में है- संगम पर स्नान करना। मां गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम हर श्रद्धालु को उत्साह, ऊर्जा और आस्था से भर रहा है।' पीएम ने कहा कि कुंभ अब आधुनिक युग के प्रबंधन पेशेवरों, योजना और नीति विशेषज्ञों के लिए अध्ययन का विषय है।

उन्होंने लिखा प्रयागराज में आयोजित यह महाकुंभ आधुनिक युग के प्रबंधन पेशेवरों, नियोजन और नीति विशेषज्ञों के लिए नए अध्ययन का विषय बन गया है। आज पूरे विश्व में इतने बड़े आयोजन की कोई तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि कैसे इतनी बड़ी संख्या में करोड़ों लोग एक नदी के किनारे, त्रिवेणी संगम पर एकत्रित हुए। इन करोड़ों लोगों को न तो कोई औपचारिक निमंत्रण मिला था और न ही आने के समय के बारे में कोई पूर्व सूचना। लोग बस महाकुंभ के लिए निकल पड़े...और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गए। मैं वो तस्वीरें नहीं भूल सकता...मैं स्नान के बाद अपार खुशी और संतुष्टि से भरे उन चेहरों को नहीं भूल सकता। चाहे वो महिलाएं हों, बुजुर्ग हों या हमारे दिव्यांग हों, हर किसी ने संगम तक पहुंचने के लिए जो कुछ भी कर सकता था, किया। पीएम मोदी ने इस बात का स्वागत किया कि इस आयोजन में युवाओं की बड़ी भागीदारी थी और कहा कि यह दर्शाता है कि युवा भारत के मूल्यों और संस्कृति को आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'और मेरे लिए ये देखना बहुत सुखद रहा कि भारत की आज की युवा पीढ़ी इतनी बड़ी संख्या में प्रयागराज पहुंची। भारत के युवाओं का महाकुंभ में आगे आकर हिस्सा लेना, एक बहुत बड़ा संदेश देता है। इससे ये विश्वास मजबूत होता है कि भारत की युवा पीढ़ी हमारे मूल्यों और संस्कृति की वाहक है और इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी समझती है और इसके लिए प्रतिबद्ध भी है। इस महाकुंभ में प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या ने निश्चित रूप से एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। लेकिन इस महाकुंभ में हमने ये भी देखा कि जो लोग प्रयागराज नहीं पहुंच पाए, वो भी भावनात्मक रूप से इस आयोजन से जुड़ गए। कुंभ से लौटते समय जो लोग त्रिवेणी तीर्थ का जल अपने साथ ले गए, उस जल की कुछ बूंदों ने भी लाखों श्रद्धालुओं को कुंभ स्नान के समान पुण्य दिया। कुंभ से लौटने के बाद जिस तरह से हर गांव में इतने सारे लोगों का स्वागत किया गया, जिस तरह से पूरे समाज ने उनके प्रति आदरपूर्वक अपना सिर झुकाया, वो अविस्मरणीय है।' यह कुछ ऐसा है जो पिछले कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ। यह कुछ ऐसा है जिसने आने वाली कई शताब्दियों के लिए नींव रखी है। प्रयागराज में, जितनी उम्मीद थी उससे कहीं अधिक संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

आप विधायकों को..

वहीं भाजपा विधायक गजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि बहुत दुख की बात है कि दिल्ली की जनता ने 10 सालों तक आप के झूठ पर भरोसा करके उन्हें सत्ता में बैठाया। आज सीएजी रिपोर्ट सामने आ रही है तो पता चल रहा है कि नकली शराब भी पिलाई गई और घोटाला भी किया गया। यह किस तरह के लोग हैं और क्या राजनीति बदलने आए थे? उन्होंने दिल्ली की जनता को मौत के घाट ले जाना उचित समझा? दिल्ली के लोगों की आवाज भाजपा के प्रतिनिधि उठाते रहेंगे। आज सदन में सीएजी रिपोर्ट पर बात होगी तो और भी बड़े-बड़े खुलासे होंगे।

बूंदाबांदी से दिल्ली...

तापमान 26 और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया था। इसके चलते सुबह व शाम ठिठुरन बढ़ेगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव आया है। वहीं, मौसम विभाग की माने तो 2 मार्च से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है।

फ्लैट में लगी आग...

इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। सोसाइटी के निवासी रजत बंसल ने बताया कि वह सोसायटी के टावर-जी 10 के फ्लैट में रहते हैं। देर रात लगभग 12:30 बजे फ्लैट के मेन गेट पर शार्ट सर्किट होने के कारण आग लग गई। वह अपनी पत्नी और 7 साल की बेटी के साथ बेडरूम में थे। आग वहां पर रैंक और फाल सीलिंग में लग गई। लगभग एक बजे उनको बाहर से आवाज सुनाई दी। बेडरूम का गेट खोलकर देखा तो बुरी तरह आग लगी हुई थी। उन्होंने तुरंत बेडरूम का दरवाजा बंद कर लिया और बालकनी में जाकर पार्क में बैठे लोगों को आवाज लगाई।

पार्क में बैडमिंटन खेल रहे लोग फ्लैट की ओर आए। लॉबी में लगे उपकरणों की सहायता से जाली वाले दरवाजे से आग को बुझाया। अंदर से पानी डालकर रजत ने भी आग बुझाने की कोशिश की। लगभग 15 मिनट बाद आग को पूरी तरह से बुझाया जा सका।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मकान नंबर एच- 187, सेक्टर बीटा 2, ग्रेटर नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर के 1 एलोकेशन लेटर 2 ऑक्यूपेशन पत्र 3 ट्रांसफर प्रपत्र के मूल प्रपत्र कहीं गायब हो गए हैं। जिसका किसी अन्य व्यक्ति या संस्था द्वारा उपयोग अमान्य होगा। उक्त मकान मेरे प्रदीप कुमार जीना पुत्र स्व श्री जगन सिंह जीना के नाम पर पंजीकृत है।

प्रदीप कुमार जीना पुत्र
स्व श्री जगन सिंह जीना

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

इंडोनेशिया मेंभूकंप के तेज झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया में आज बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई। यह भूकंप उत्तरी सुलावेसी प्रांत के पास समुद्र में आया और इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर थी। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप सुबह 6:55 बजे (स्थानीय समय) आया। राहत कि बात यह है कि इंडोनेशियाई मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी की संभावना से इनकार किया है और अब तक किसी बड़े नुकसान या किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इंडोनेशिया एक ऐसी जगह पर स्थित है जहां धरती की टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं। इसे रिंग ऑफ फायर कहा जाता है, जिससे यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। इसी कारण, यह इलाका भूकंपीय दृष्टि से बहुत संवेदनशील माना जाता है। पिछले वर्षों में, इस देश में कई खतरनाक भूकंप आ चुके हैं।

गोवंश ले जा रहे तस्कर से पुलिस की मुठभेड़

कुशीनगर। पुलिस और गो-तस्कर की बुधवार तड़के चौराखास के दूबे पट्टी गांव के पास पथरदेवा-जौरा बाजार मार्ग पर मुठभेड़ हो गई। इसमें पैर में गोली लगने से एक तस्कर घायल हो गया। उसकी पहचान कसया के डूमरी टोला सिसवा महंथ के रूस्तम के रूप में हुई है। तस्कर के पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। घायल तस्कर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पिकअप से छह गोवंश बरामद किए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि तड़के तीन बजे गश्त पर थे। तभी सूचना मिली कि गोवंश को लेकर तस्कर देवरिया के पथरदेवा की ओर से जौरा बाजार की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पथरदेवा-जौराबाजार मार्ग पर घेराबंदी कर तस्करों की तलाश की गई। इस बीच पटहेरवा व स्वाट टीम भी आ गई। तभी पिकअप को आते देख टीम ने उसे रुकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देख बैरिकेडिंग तोड़ते हुए चालक तेज गति से पिकअप भगाने लगा।

सीमेंट मिक्सर वाहन से शराब बरामद

मुंबई । महाराष्ट्र आबकारी विभाग ने नवी मुंबई में एक सीमेंट मिक्सर वाहन के माध्यम से तस्करी हो रही 34.39 लाख रुपये मूल्य की भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) जब्त की है। आबकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आबकारी विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बेलापुर रोड पर जाल बिछाया। अधिकारियों ने देर रात एक सीमेंट मिक्सर वाहन को इस क्षेत्र में पहुंचते देखकर रोक लिया। ठाणे के राज्य आबकारी अधीक्षक प्रवीण तांबे ने बताया कि उन्हें वाहन में छुपाए गए आईएमएफएल के 495 डिब्बे मिले। उन्होंने कहा कि गोवा में निर्मित शराब को अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। अधिकारियों ने शराब के डिब्बों और वाहन को जब्त किया है। अधिकारी ने कहा कि वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और तस्करी अभियान में शामिल ट्रांसपोर्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बिटकॉइन घोटाला: देशभर में फैला था जाल, सीबीआई की छापेमारी

6600 करोड़ का घोटाला उजागर

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बड़ा बिटकॉइन घोटाला उजागर हुआ है। जानकारी मिली है कि इसमें 6,600 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। सीबीआई ने पुणे, नांदेड़, कोल्हापुर, दिल्ली और बेंगलुरु समेत देश भर के 60 शहरों में छापेमारी की। सीबीआई के प्रवक्ता ने दावा किया है कि इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। बताया गया है कि मेसर्स वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड इस कंपनी की स्थापना 2015 में अमित भारद्वाज (अब दिवंगत), अजय भारद्वाज, विवेक भारद्वाज, सिम्पी भारद्वाज, महेंद्र भारद्वाज ने की थी। कंपनी की गेन बिटकॉइन योजना, जो क्रिप्टोकरेंसी में निवेश पर 10 प्रतिशत मासिक रिटर्न का वादा करती है, मई में शुरू की गई थी। 2017 में वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित किया गया। 2017 में इस कंपनी का नेटवर्क लगातार विस्तारित होता रहा। हजारों निवेशकों ने इसमें निवेश किया। हालाँकि, कुछ समय बाद इसने निवेशकों को रिटर्न देना बंद कर दिया। बाद में जब पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है तो अमित भारद्वाज के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। जानकारी सामने आई है कि राज्य में अकेले नांदेड़ में बिटकॉइन के जरिए 500 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। हालांकि बाद में अमित धोखा देकर दुबई भाग गया। इस बीच, कंपनी के निदेशकों ने देश भर से एकत्र 6,606 करोड़ रुपये को विभिन्न माध्यमों से अपने खातों में स्थानांतरित कर लिया। मंगलवार को सीबीआई ने 6,600 करोड़ रुपये के बिटकॉइन घोटाले के सिलसिले में पुणे, नांदेड़, कोल्हापुर, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु सहित महाराष्ट्र में 60 स्थानों पर छापे मारे। पुलिस के साथ-साथ अब सीबीआई और ईडी दोनों इस मामले की जांच कर रहे हैं। गेन बिटकॉइन के मुख्य निमार्ता अमित भारद्वाज इस मामले में आरोपी थे। भारद्वाज ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में पढ़ाई की थी। पिछले साल 18 अप्रैल को ईडी ने फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ कार्रवाई की थी। ईडी ने कार्रवाई करते हुए 27 करोड़ 79 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की। जब्त संपत्तियों में मुंबई के जुहू में शिल्पा शेट्टी के नाम पर एक फ्लैट, पुणे में एक बंगला और राज कुंद्रा के नाम पर शेयर शामिल हैं।

महाशिवरात्रि पर रामलला के दर्शन करने पहुंचे लाखों श्रद्धालु

एजेंसी

अयोध्या। यूपीप के अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ है। महाशिवरात्रि के मौके पर यहां आस्था का सैलाब उमड़ गया है। सुबह से ही श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हैं। महाकुंभ से पहुंचे करीब 12 लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए यहां पहुंचे हैं। अयोध्या के नागेश्वरनाथ, क्षीरेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ है। प्रभु श्रीराम की नगरी में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। वैदिक रीति रिवाज के साथ भगवान भोलेनाथ का मां पार्वती के साथ वैवाहिक कार्यकम मनाया जा रहा है। लाखों की भीड़ की सुरक्षा को देखते हुए रात 9 बजे के बाद शिव बारात संशोधित मार्ग से निकाली जाएगी। महाकुंभ की भीड़ को देखते हुए शिव-पार्वती का विवाह और जलाभिषेक को लेकर जिला प्रशासन ने बेहतर इंतजाम किए हैं। अयोध्या प्रशासन की ओर से महाशिवरात्रि पर्व पर शहर, अन्य स्थानों और जिलों से आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी से बचाने के इंतजाम किए गए हैं। राम मंदिर के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। शहर के कई मार्गों पर डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। बड़े और छोटे वाहनों के परिचालन पर रोक लगाई गई है। इस कारण श्रद्धालु पैदल चलकर प्रभु रामलला के दर्शन करने पहुंच रहे है।

कार अनियंत्रित होकर घर में घुसी, चार की मौत

एजेंसी

प्रतापगढ । उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में मंगलवार रात को एक दर्दनाक हादसा घटित हुआ, जिसमें महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार अनियंत्रित होकर हाईवे के किनारे घर में घुस गई। इस हादसे में कार में सवार चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। 24 वर्षीय रोहित कुमार सिंह छपरा बिहार, 35 वर्षीय आकाश पुत्र रविंद्र प्रसाद निवासी भुरकुण्डा थाना पचरायू जिला रायगढ़, झारखंड, 22 वर्षीय रुपेश गोगा पंकी सराय भागलपुर बिहार की हालत नाजुक है। वहीं, घर में सो रहे दंपति रेनू ओझा और मनोज ओझा को भी चोट आई है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। हादसा प्रयागराज-अयोध्या राजमार्ग पर बबुरहा मोड़ के पास हुआ। ड्राइवर की नींद की झपकी से कार अनियंत्रित हो गई और गाड़ी नदारद घर में प्रवेश कर गई। घायलों को अस्पताल भेजा गया है, जबकि कार में सवार चार युवकों की मौत हो गई। अनुसूचित भागलपुर, बिहार, से आने वाले इन युवकों में से दो घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के पश्चात, अझारा नगर में एक और हादसा घटा, जिसमें एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मौके से भाग निकले कार चालक की तलाश जारी है, जबकि परिवार में मचा कोहराम है। घायलों को अब इलाज के लिए देखभाल प्राप्त है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इससे पहले लालगंज अझारा नगर में अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी। 30 वर्षीय कृष्ण कुमार सिंह मंगलवार शाम चार बजे किसी काम से घर से लालगंज की तरफ जा रहे थे। डभियार मोड़ सांगीपुर के पास सामने से आ रही कार ने कृष्ण कुमार की बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में कृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने आसपास के लोगों के सहयोग से घायल को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लालगंज भि?जवाया, जहां डॉक?टरों ने कृष्ण कुमार को मृत घोषित कर दिया।

पायलट की सूझबूझ से बची सैकड़ों जानें

शिकागो । अमेरिका के शिकागो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। साउथवेस्ट एयरलाइंस का एक विमान जब लैंडिंग के लिए रनवे पर आ रहा था, तभी उसी रनवे पर एक जेट विमान टेक-ऑफ के लिए बढ़ रहा था। ऐन मौके पर पायलट की सूझबूझ से टकराव टल गया, और सैकड़ों यात्रियों की जान बच गई। शिकागो एयरपोर्ट पर साउथवेस्ट एयरलाइंस के विमान के पायलट ने देखा कि रनवे पर पहले से एक जेट मौजूद है, उसने तेजी से लैंडिंग रोककर विमान को वापस आसमान में ऊपर उठा लिया। जब पायलट ने अचानक विमान को ऊपर उठाया, तो यात्रियों में हड़कंप मच गया। कई यात्रियों को पहले तो समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा है।

अमेरिका, यूरोप का सुरक्षा ठेकेदार नहीं अपनी सुरक्षा खुद करें: ट्रंप

एजेंसी

पेरिस। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा खुद करें। उन्होंने ये भी साफ कर दिया है कि अमेरिका, यूरोप का सुरक्षा ठेकेदार नहीं है। ट्रंप की धमकी से यूरोपीय देश परेशान हैं। जिसे देखते हुए भारत का दोस्त फ्रांस, परमाणु हथियारों से लैस राफेल फाइटर जेट को जर्मनी में तैनात करने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। फ्रांस का ये फैसला दिखाता है कि अमेरिका, नाटो के तहत यूरोपीय देशों की सुरक्षा की गारंटी लेने वाला नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में भी नाटो देशों पर निशाना साधा था और कहा था कि सदस्य देश नाटो में पैसे नहीं देते हैं। माना जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों ने ट्रान्साटलांटिक गठबंधन को काफी मुश्किल में डाल दिया है और यूरोपीय देश खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।जर्मनी के होने वाले चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने ब्रिटेन और फ्रांसीसी नेताओं के साथ परमाणु साझाकरण या परमाणु सुरक्षा के बारे में बातचीत करने के लिए आह्वान किया है। माना जा रहा है कि जल्द ही इन यूरोपीय देशों के बीच बैठक हो सकती है, जिसमें फ्रांसीसी परमाणु हथियार वाले राफेल फाइटर जेट को जर्मनी में तैनात करने पर सहमति बन सकती है।

दुबई जा रही तीन छात्राओं की नोटबुक से मिले 4 लाख डॉलर

एजेंसी

पुणे। कस्टम विभाग ने दुबई जा रही तीन छात्राओं से 4 लाख डॉलर यानी करीब 3.47 करोड़ रुपए बरामद किए हैं। इन छात्राओं ने इतनी बड़ी रकम नोटबुक के पन्नों के बीच छिपा रखी थी। कस्टम अधिकारियों को शक है कि यह विदेशी मुद्रा हवाला के जरिये दुबई भेजी जा रही थी। हवाला रैकेट ने विदेशी मुद्रा की तस्करी के लिए 20 साल की छात्रों का इस्तेमाल किया है। इस मामले में पुणे की एक ट्रैवल एजेंट खुशबू अग्रवाल और मुंबई के एक फॉरेक्स ट्रेडर को गिरफ्तार किया है। ट्रैवल एजेंट ने ही इन छात्राओं की दुबई यात्रा बुक की थी। पुणे कस्टम्स के मुताबिक अफसरों को पहले से ही सूचना मिली थी कि तीन छात्राएं नोटबुक्स में छुपाकर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की तस्करी करने की कोशिश कर रही हैं। अधिकारियों के अनुरोध पर दुबई पहुंचने के बाद तीनों छात्राओं को वापस भारत भेज दिया गया है। 17 फरवरी को पुणे एयरपोर्ट पर दुबई से पुणे आ रही इन तीनों छात्राओं को रोका गया। एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों ने इनकी तलाशी ली। तलाशी में उन्हें 400,100 डॉलर मिले। ये 100 डॉलर के नोट कई नोटबुक्स के पन्नों के बीच छुपाए गए थे, जो इन छात्राओं के बैग में थे।

नदी में नहाने गए 12 युवक डूबे, पांच की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में बुधवार सुबह नहाने गए 12 लोगों के एक समूह में से पांच लोग गोदावरी नदी में डूब गए। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े आठ बजे ताड़ीपुड़ी गांव के तल्लापुडी मंडल में हुआ। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के मुताबिक गोदावरी नदी में नहाने गए 12 युवकों में से पांच डूब गए जबकि सात किसी तरह बचने में सफल रहे। समूह के लोग स्नान के बाद महाशिवरात्रि पर्व पर पास के एक मंदिर जाने वाले थे। मृतक और बचे युवकों में ज्यादातर की उम्र 20 साल से कम बताई जा रही है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए सुरक्षित विकल्प बना स्टीविया

एजेंसी

वाशिंगटन। डायबिटीज के मरीजों के लिए मीठे का स्वाद पूरी तरह छोड़ना आसान नहीं होता। ऐसे में स्टीविया एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरा है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे डायबिटीज रोगियों के लिए सुरक्षित और फायदेमंद मानते हैं। स्टीविया एक हर्बल स्वीटनर है, जो उत्तर और दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले पौधे से प्राप्त होता है। भारत में इसे ह्यमीठी तुलसीह्न के नाम से भी जाना जाता है। इसकी पत्तियां चीनी से 50 से 300 गुना ज्यादा मीठी होती हैं, लेकिन इनमें कैलोरी न के बराबर होती है। स्टीविया में मौजूद स्टेविओल ग्लाइकोसाइड इसे अत्यधिक मीठा बनाते हैं, लेकिन यह शरीर में ग्लूकोज के स्तर को प्रभावित नहीं करता। यही कारण है कि यह मधुमेह रोगियों के लिए उपयुक्त विकल्प माना जाता है। 2018 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि स्टीविया के सेवन से 60 से 120 मिनट के भीतर ब्लड शुगर के स्तर में गिरावट देखी गई। यह प्रभाव इंसुलिन स्राव से पहले ही नजर आया। 2016 में किए गए एक अन्य शोध में यह स्पष्ट हुआ कि स्टीविया के सूखे पत्तों का पाउडर उपवास और भोजन के बाद ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि स्टीविया केवल ब्लड शुगर नियंत्रण में ही नहीं बल्कि अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। यह भूख को नियंत्रित करने के साथ-साथ मीठा खाने की इच्छा को भी कम करता है। शोध से यह भी सामने आया है कि स्टीविया ट्राइग्लिसराइड और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम हो सकता है। अमेरिका में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने स्टेवियोल ग्लाइकोसाइड को जनरली रिकग्नाइज्ड एज सेफ यानी जीआरएएस का दर्जा दिया है।

किडनी रोग से पीडित पोप की हालत नाजुक

एजेंसी

वैटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस फेफड़ों के जटिल संक्रमण और किडनी रोग के कारण वो अभी अस्पताल में भर्ती हैं। उनके गिरते स्वास्थ्य के कारण उनके संभावित उत्तराधिकारी के चुनाव को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। अगला पोप कैसे चुना जाता है। चुनाव में कार्डिनल की खास भूमिका होती है। दुनिया भर से आने वाले बिशप और वेटिकन के अधिकारी होते हैं, जिन्हें व्यक्तिगत रूप से पोप द्वारा चुना जाता है। यह अपने खास लाल कपड़ों से पहचाने जाते हैं। इन्हीं कार्डिनल्स के समूह को कॉलेज ऑफ कार्डिनल्स कहा जाता है। यूनाइटेड स्टेट्स कॉन्फ्रेंस ऑफ कैथोलिक बिशप की वेबसाइट के मुताबिक किसी भी वजह से पोप का पद खाली होने के बाद, ये कार्डिनल वेटिकन सिटी में एक के बाद एक बैठक करते हैं, जिन्हें सामान्य मण्डली (जनरल कॉन्ग्रेगेशन) कहा जाता है। इन बैठकों में वे वैश्विक स्तर पर कैथोलिक चर्च के सामने आने वाली जरूरतों और चुनौतियों पर चर्चा करते हैं। साथ ही वे अगले पोप के चुनाव के लिए भी तैयारी करते हैं, जिसे कॉन्क्लेव कहा जाता है। इस बीच ऐसे फैसले जो केवल पोप ही ले सकते हैं, जैसे बिशप की नियुक्ति या बिशप की धर्मसभा बुलाना, उसके लिए चुनाव के बाद तक का इंतजार किया जाता है। ऐसी बैठक में ही मृत पोप के अंतिम संस्कार और उन्हें दफनाने की व्यवस्था की जाती है। कार्डिनल पोप के चुनाव के लिए गुप्त मतदान करते हैं। वे दो बार मुड़े हुए बैलेट पेपर को एक बड़े प्याले में डालते हैं। जब तक किसी उम्मीदवार को दो-तिहाई वोट नहीं मिल जाते, तब तक हर दिन चार राउंड की वोटिंग होती है। हर राउंड के रिजल्ट को जोर से गिना जाता है और रिकॉर्डर बने तीन कार्डिनल उन्हें रिकॉर्ड करते हैं।

उद्योगपतियों ने की शंभू बॉर्डर खोलने की मांग

चंडीगढ़। विधानसभा में मंत्री अमन अरोड़ा द्वारा शंभू बॉर्डर खोलने का मुद्दा उठाने के बाद जालंधर के उद्योगपतियों ने पंजाब सीएम भगवंत मान के सामने यह मुद्दा उठाया। सीएम के सरकारी आवास पर हुई बैठक में उद्योगपतियों ने शंभू बॉर्डर बंद होने की वजह से उद्योग और व्यापार पर होने वाले असर के बारे में सीएम को जानकारी दी। इस दौरान उद्योगपतियों ने सीएम को मांग-पत्र भी सौंपा। उद्योगपतियों ने कहा कि पंजाब भौगोलिक रूप से जमीनी सीमाओं से जुड़ा राज्य है और किसान आंदोलन के चलते शंभू बॉर्डर पर यातायात ठप होने से व्यापारिक गतिविधियां पर असर पड़ रहा है।

शव के साथ बैठ कर कपल ने किया 15 घंटे का सफर

एजेंसी

सिडनी। कल्पना करे आप लंबी फ्लाइट में सफर कर रहे हैं, तभी अचानक आपके बगल वाली सीट पर किसी की मौत हो जाए। ऐसा ही चौंकाने वाला मामला आया है, इसमें एक कपल को एक शव के साथ बैठने के लिए मजबूर किया गया। दरअसल मेलबर्न से दोहा जा रही कतर एयरवेज की फ्लाइट में एक महिला यात्री को अचानक स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत हुई और वहीं मौत हो गई। फ्लाइट क्रू ने महिला को बचाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। इसके बाद क्रू मेंबर ने शव को बिजनेस क्लास में ले जाने की कोशिश की, लेकिन महिला का शरीर भारी था और संकरी गली से उन्हें ले जाना मुमकिन नहीं हो सका। फ्लाइट में मौजूद मिशेल रिंग और जेनिफर कॉलिन के पास दो अतिरिक्त सीटें थीं। क्रू ने दोनों से अनुरोध किया कि वे अपनी सीट बदल लें ताकि शव को वहीं रखा जा सके। मिशेल ने बताया कि क्रू मेंबर ने कहा कि क्या आप हट सकते हैं? मैंने बिना कुछ सोचे हां कह दिया। इसके बाद उन्होंने महिला के शव को मेरी सीट पर रख दिया।
मिशेल ने खुलासा किया कि उन्हें चार घंटे तक शव के साथ सफर करना पड़ा। इस घटना से जुड़ी एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें मिशेल अपनी स्क्रीन देख रहे हैं और उनके बगल में महिला का शव रखा हुआ है, जो कंबल से ढका हुआ था।

चीन का यंताई बंदरगाह बन रहा ऑटोमोबाइल निर्यात का प्रमुख केंद्र

▸ यह पोर्ट अब दुनिया भर में कारों की आपूर्ति करने वाले प्रमुख ठिकानों में शामिल हो गया है

एजेंसी

बीजिंग । चाइना का शांदोंग प्रांत में स्थित यह पोर्ट अब दुनिया भर में कारों की आपूर्ति करने वाले प्रमुख ठिकानों में शामिल हो गया है। चीन का यंताई बंदरगाह तेजी से ऑटोमोबाइल निर्यात का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।
यहां हर दिन सैकड़ों गाड़ियां जहाजों पर लोड की जाती हैं, जो यूरोप, दक्षिण अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों के लिए रवाना होती हैं। यह नजारा चीन की तेजी से बढ़ती ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और इसके वैश्विक प्रभाव को दशार्ता है। चीन की ऑटोमोबाइल कंपनियां अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना रही हैं। खासतौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में तेजी आने से चीनी निमार्ताओं को भारी लाभ हो रहा है। यूरोप और दक्षिण अमेरिका के उपभोक्ता कम कीमत और बेहतर तकनीक के कारण चीन निर्मित कारों को प्राथमिकता दे रहे हैं। साथ ही, कई एशियाई देश भी इन वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं, जिससे चीन का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। यंताई बंदरगाह इस पूरे व्यापार को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसकी गिनती चीन के सबसे व्यस्त कार्गो पोर्ट्स में होती है। यहां से बीवायडी, नियो, सैक मोटर्स जैसी प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियां अपनी गाड़ियां दुनियाभर में भेजती हैं। अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तेज लॉजिस्टिक्स सेवाएं इसे एक आदर्श निर्यात केंद्र बनाती हैं।
हाल ही में, इस पोर्ट की क्षमता बढ़ाने के लिए कई नई परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिससे भविष्य में और अधिक वाहनों का निर्यात संभव होगा। अगर मौजूदा गति से चीन की कार कंपनियां आगे बढ़ती रहीं, तो आने वाले वर्षों में वैश्विक ऑटोमोबाइल बाजार पर इनका दबदबा बढ़ सकता है। हालांकि, पश्चिमी देशों में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंताएं भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका की सरकारें अपनी घरेलू ऑटोमोबाइल कंपनियों की सुरक्षा के लिए नए नियम लागू कर सकती हैं, जिससे चीन के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

पुतिन से बातचीत के दौरान यूक्रेन के हित का ध्यान रखे ट्रंप : मैक्रों

एजेंसी

वाशिंगटन । फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मनाने के मकसद से वाशिंगटन पहुंचे। मैक्रों के साथ बैठक में ट्रंप ने कोई वादा नहीं किया लेकिन मैंक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस से विदा लेकर बैठक को एक अहम मोड़ बताया। मैक्रों, ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति चुनने के बाद उनसे मिलने आने वाले पहले यूरोपीय नेता है और उनका उद्देश्य अपनी दोस्ती का लाभ उठाकर ट्रंप से यह आग्रह करना था कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में ह्यह्यकमजोर न पड़ें। ट्रंप ने अपने हालिया बयानों में पुतिन की बात दोहरकार कहा कि उनकी मॉस्को के साथ सीधी बातचीत की योजना है। इस बातों ने यूरोपीय सहयोगियों और यूक्रेनी अधिकारियों को चिंतित कर दिया है। मैक्रों ने बैठक के बाद पुतिन के संबंध में ट्रंप के कदम की प्रशंसा कर कहा कि इससे आने वाले सप्ताहों में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध विराम हो सकता है। मैक्रों ने कहा, लेकिन मेरा संदेश यह था कि सावधान रहें, क्योंकि हमें यूक्रेन के लिए कुछ ठोस चाहिए।

खास खबर

गुओ ऐलुन की जगह लेंगे सन मिंगहुई

बीजिंग। झेजियांग लायंस के गार्ड सन मिंगहुई को 2025 सीबीए ऑल-स्टार गेम में टीम साउथ के लिए स्टार्टर के रूप में चुना गया है। वह गुओ ऐलुन की जगह लेंगे, जो चोट के कारण इस प्रतिष्ठित मुकाबले से बाहर हो गए हैं। चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) ने मंगलवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। गुआंगजौ लूंग लायंस के अनुभवी गार्ड गुओ ऐलुन को 17 फरवरी को एक इंट्रा-स्क्वाड स्क्रिमेज के दौरान दाहिनी आंख में गंभीर चोट लगी थी। टीम अधिकारियों ने बताया कि उनकी सर्जरी सफल रही है और वह फिलहाल पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हालांकि, उनकी वापसी की कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की गई है। इस साल का सीबीए ऑल-स्टार वीकेंड 28 फरवरी से 2 मार्च तक चांगचुन, जिलिन प्रांत में आयोजित किया जाएगा। स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी से यह आयोजन बास्केटबॉल प्रशंसकों के लिए रोमांचक होने वाला है।

मार्सिन लिजवेस्की पद से हटाए गए

वारसॉ। पोलिश हैंडबॉल एसोसिएशन (जेडपीआरपी) ने राष्ट्रीय पुरुष हैंडबॉल टीम के मुख्य कोच मार्सिन लिजवेस्की के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया है। जेडपीआरपी ने मंगलवार को इस निर्णय की घोषणा करते हुए बताया कि टीम के हालिया प्रदर्शन की गहन समीक्षा के बाद यह कदम उठाया गया। लिजवेस्की ने 29 मार्च, 2023 को पदभार संभाला था, जब उन्होंने पैट्रिक रोम्बेल की जगह ली थी। उनके नेतृत्व में टीम ने 28 मुकाबले खेले, जिनमें 15 में जीत, 10 में हार और 3 ड्रॉ रहे। हालांकि, जनवरी 2025 में आयोजित आईएचएफ पुरुष विश्व चैम्पियनशिप में टीम के 25वें स्थान पर रहने को देश में बड़ी निराशा के रूप में देखा गया, जिससे उनके भविष्य पर सवाल उठने लगे थे।जेडपीआरपी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, ”कोच मार्सिन लिजवेस्की के साथ सहयोग समाप्त करने का निर्णय उनकी कोचिंग के विस्तृत विश्लेषण के बाद लिया गया है।

नई स्कोरिंग प्रणाली शुरू करेगा बीडब्ल्यूएफ

नई दिल्ली । विश्व बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) अब इसी साल अप्रैल से कुछ प्रतियोगिताओं में परीक्षण के लिए नई स्कोरिंग प्रणाली शुरू कर सकता है। बीडब्ल्यूएफ परिषद ने इससे पहले नवंबर में कुआलालंपुर में अपनी बैठक के दौरान वर्तमान स्कोरिंग प्रणाली को बदलने के लिए 15 अंक के तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली शुरू करने को कहा था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ह्यह्यबीडब्ल्यूएफ परिषद ने अप्रैल से सितंबर-अक्टूबर 2025 तक कुछ महाद्वीपीय चैंपियनशिप, ग्रेड 3 टूनामेंट, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लीग और राष्ट्रीय टूनामेंट में 15 अंक के तीन गेम प्रणाली का व्यावहारिक परीक्षण करने की योजना बनायी हैइसका लक्ष्य खेल के प्रति नए दर्शकों को आकर्षित करने के साथ ही मैचों को कम समय का करना है। बीडब्ल्यूएफ अप्रैल से कम से कम छह महीनों के लिए कुछ प्रतियोगिताओं में 15 अंक के तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली शुरू करेगा।

दिल्ली कैपिटल्स ने गुजराज जायंट्स को हराया

एजेंसी

बेंगलुरु । दिल्ली कैपिटल्स महिला ने यहां खेले गये महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के एक अहम मुकाबले में गुजरात जायंट्स महिला को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने टॉस जीतकर गुजरात जायंट्स को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। गुजरात ने डॉटिन के 26 रन और भारती फूलमालीके 40 रनों की सहायता से 20 ओवरों मे 127 तक बनाये। इस प्रकार दिल्ली को जीत के लिए 128 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने आसानी से हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से शैफाली वर्मा ने 44 जबकि

जोनासन ने 61 रन बनाये। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी के दौरान गुजरात की शुरूआत अच्छी नहीं रही।। हरलीन दियोल केवल 5 रन बनाकर आउट हो गई। इसके बाद लीचफील्ड भी असफल रही। बेथ मूनी भी 11 गेंदों पर 10 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। कप्तान एशले गार्डनर ने 3 रन बनाए जबकि काशवी गौतम खाता भी नहीं खोल पायीं। इसके बाद डॉटिन ने पारी संभालने का प्रयास किया पर वह भी 26 रन ही बना पायीं। अंत में भारती ने 40 रन बनाकर पारी को 127 रनों तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरूआत भी उम्मीद के अनुसार नहीं थी। कप्तान मेग लेनिंग 3 ही रन बना पाई। इसके बाद शैफाली वर्मा और जेस जोनासेन ने पारी को संभालने का प्रयास किया। शैफाली ने इस दौरान जमकर चौके छक्के लगाये। शैफाली ने 27 गेंदों पर 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 44 रन बनाए। इसके अलाव जोनासेन ने अर्धशतक लगाया।

ऋषभ को बचे हुए मैचों में भी जगह मिलने की संभावना नहीं

एजेंसी

दुबई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अभी तक हुए दोनो मैचों में जगह नहीं मिली है। ऐसे में उन्हें शायद ही आने वाले मैचों में भी अंतिम ग्यारह में जगह मिले। इसका कारण है कि इस टूनार्मेंट में विकेटकीपर बल्लेबाज की जिम्मेदारी निभा रहे केएल राहुल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में 47 गेंद खेलकर 41 रन की पारी खेली थी। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला। भारतीय टीम पहले दोनो मैच में जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में अब टीम प्रबंधन टीम में शायद ही बदलाव करेगा।ऐसे में आने वाले कुछ मैचों में भी अंतिम

ग्याहर में बदलाव की संभावना नहीं है। ऐसे में अगले मैच में भी राहुल का खेलना ही तय है। ऋषभ पिछले कई मैचों से एकदिवसीय टीम में शामिलल रहे हैं पर उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है और केएल राहुल ही टीम में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेलते हैं। कोच गौतम गंभीर ने ट्रॉफी से पहले ही साफ कर दिया था कि टीम में राहुल का खेलना ही तय है। गंभीर ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कहा था, राहुल अभी हमारा नंबर एक विकेटकीपर है और अभी मैं इतना ही कह सकता हूं।

मई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी इंडिया-ए टीम

बेहतर प्रदर्शन करने वालों को मिलेगा टेस्ट सीरीज के लिए अवसर

एजेंसी

मुम्बई। इंडिया-ए टीम आईपीएल 2025 के बाद तीन 4-दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। इस दौरे में उसका मुकाबला इंग्लैंड लायंस की टीम से होगा। इससे इसमें शामिल खिलाड़ियों के पास बेहतर प्रदर्शन कर जून में होने वाले भारतीय टीम के टेस्ट दौरे के लिए अपना दावा पेश करने का अच्छा अवसर होगा। इंडिया ए की टीम यह दौरा 25 मई से 20 जून के बीच चल सकता है, हालांकि अभी इसकी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। 25 मई को आईपीएल का फाइनल मुकाबला होगा, जबकि 20 जून से टेस्ट सीरीज

की शुरूआत होगी। भारतीय बल्लेबाज टेस्ट मैचों के अलावा मुश्किल से ही कोई लाल गेंद की क्रिकेट खेलते हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज जिस प्रकार से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के अलावा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विफल रहे हैं। ऐसे में हो सकता है कि कुछ नियमित टेस्ट खिलाड़ी भी इस इंडिया ए के दौरे पर जाएं।भारत-इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज शुरू होने से पहले एक रणजी ट्रॉफी मुकाबला है, जहां ये बल्लेबाज लाल गेंद की क्रिकेट का अभ्यास कर सकते हैं। बीसीसीआई ने अपने बल्लेबाजों को संदेश दिया है कि वह इस सीरीज को चयन का एक पैमाना मानें। पिछले साल जब इंग्लैंड लायंस की टीम भारत आई थी तो सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियो ने इंडिया ए की ओर से खेला था। वहीं इसके बाद इन्हें राष्ट्रीय टीम से खेलने का अवसर मिला है।

विराट फिर शीर्ष पांच में पहुंचे

एजेंसी

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आईसीसी की बुधवार को जारी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में स्पिनर कुलदीप यादव तीसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। विराट को चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में लगाये शतक का लाभ मिला है जिससे वह एक स्थान ऊपर आकर 743 अंकों के साथ ही पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं । शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत के शुभमन गिल सहित चार खिलाड़ी हैं। शुभमन 817 अंक लेकर नंबर एक पर हैं । वहीं

कप्तान रोहित शर्मा 757 के साथ ही तीसरे और श्रेयस अय्यर 679 अंकों के साथ ही नौवें नंबर पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम 770 अंक के साथ ही दूसरे पायदान पर हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 26 गेंदों में 23 रन बनाए थे। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल दो पायदान ऊपर 15वें नंबर पर आ गए हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो भारत के ही तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर कुलदीप यादव भी एक-एक स्थान का लाभ हुआ है। शमी 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 599 अंक हैं। शमी ने बांग्लादेश के खिलाफ 53 रन देकर 5 विकेट लिए थे जिसका लाभ उन्हें मिला है जबकि कुलदीप ने पाकिस्तान के खिलाफ 40 रन देकर तीन विकेट लिए। वह अब 656 अंकों के साथ ही तीसरे पायदान पर हैं। शीर्ष-10 गेंदबाजों में कुलदीप यादव एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं।

हैरी ब्रूक को शुभमन और यशस्वी से बेहतर मानते हैं कार्तिक

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रहे दिनेश कार्तिक ने कहा है कि विश्व क्रिकेट के अगले सितारे शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल नहीं बल्कि इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक होंगे। हैरी ने पदार्पण के बाद से ही कई अच्छी पारियां खेली हैं। कार्तिक के अनुसार जिस तरह से हैरी खेल रहे हैं उसे देखकर लगता है कि वो विश्व क्रिकेट में काफी आगे जा सकते हैं। इस पूर्व विकेटकीपर ने कहा , मेरे लिए, ब्रूक युवा पीढ़ी के सबसे खास खिलाड़ियों में से एक हैं, और निश्चित रूप से, जब वह अपना टेस्ट करियर खत्म करेंगे, तो उसे ऐसे खिलाड़ी के रूप में जाना

जाएगा जिसने शानदार प्रदर्शन किया है और उन खिलाड़ियों में शामिल होंगे जो ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की श्रेणी में आते हैं. उसके पास एक बेहतरीन फ्री-फ्लोइंग बल्लेबाजी तकनीक है। कार्तिक ने साथ ही कहा, सबसे अहम बात, उसके पास एक ऐसा दिमाग है जो उसे बहुत सरल बनाये रखता है। इसलिए, वह बिना किसी संदेह के शीर्ष स्तर पर जा सकते हैं। ब्रूक ने डेब्यू के बाद से ही अब तक 24 टेस्ट मैचों में 2281 रन बनाये हैं।

केकेआर की कप्तानी करने तैयार हूं : वेंकटेश अय्यर

नई दिल्ली । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अभी तक अगले माह शुरू हो रहे आईपीएल के 18 वें सत्र के लिए किसी को भी कप्तान नहीं बनाया है। ऐसे में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर अवसर मिलने पर उसकी कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं। अय्यर ने अभी तक क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी नहीं की है। गत केकेआर इस सत्र की शुरूआत ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से मुकाबले से करेगी। केकेआर ने पिछले सत्र मे श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था पर उन्हें बड़ी नीलामी में पंजाब किंग्स ने खरीद लिया और बाद में अपना कप्तान बना दिया। वेंकटेश ने कहा, ह्यनिश्चित रूप से, मैं तैयार हूं। मैंने हमेशा यह कहा है कि कप्तानी सिर्फ एक ठप्पा है। मैं नेतृत्व में विश्वास करता हूं।

53वीं सीनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप का समापन

एजेंसी

रांची । 53वीं सीनियर पुरुष चैंपियनशिप का आज समापन हुआ। जिसमें सर्विसेज की टीम ने झारखंड की टीम को मात दी और चैंपियनशिप पर कब्जा किया। सर्विसेज की टीम की ओर से 34 वां झारखंड की टीम की ओर से 32 गोल किए गए। गोल का अंतर मात्र दो का था काफी रोचक मुकाबला रहा, वहीं दूसरी और तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से मध्य प्रदेश व पंजाब की टीम रही। टाना भगत इनडोर स्टेडियम में खेले गए इस मैच में काफी संख्या में दर्शक शामिल हुए। पिछले 5 दिनों से या मैच का आयोजन हो रहा था, इसमें 28 टीमों ने भाग लिया। आज समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की उपस्थिति रही, साथ ही पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक

राजेश कश्यप, हैंडबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार बालमुचू ,हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव प्रितपाल सिंह सलूजा महेश सिंह, सुनील कुजुर ,मकसूद आलम उपस्थित रहे। भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में अतिथियों की ओर से चैंपियंस टीम सर्विसेज दूसरे स्थान प्राप्त करने वाली झारखंड और तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से रही मध्य प्रदेश व पंजाब की टीम को ट्रॉफी और मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस दौरान बेस्ट प्लेयर्स का भी अवार्ड खिलाड़ियों को दिया गया। झारखंड के जोगिंदर व दीपक पंजाब के मोहिंदर मध्य प्रदेश के मोहित सर्विसेज के भूपेंद्र वह अंकित को बेस्ट खिलाड़ी से नवाजा गया। इस आयोजन को सफल करने में रेफ्रियों की अहम भूमिका रही, ओर सभी को सम्मानित किया गया । पुरस्कार वितरण समारोह में कांग्रेस नेता महेश सिंह मकसूद आलम मुख्य रूप से उपस्थित थे । झारखंड सरकार की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने संबोधन में झारखंड स्टेट हैंडबॉल एसोसिएशन की सराहना करते हुए कहा कि पहली बार रांची में हैंडबॉल का इतने बड़े पैमाने पर आयोजन हुआ है, उनका प्रयास होगा कि सरकार के स्तर से भी खेलों को बढ़ावा मिले पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि खेल में राजनीति ना होनी चाहिए । खेल को खेल के रूप में लेना चाहिए जिससे कि खिलाड़ियों के स्वास्थ्य का भी लाभ होगा, वह अच्छे प्रदर्शन के साथ खिलाड़ी देश का नाम भी रोशन करेंगे। मालूम हो कि यह आयोजन पूर्व सांसद दिवंगत शिवप्रसाद साहू की याद में आयोजित की गई थी। आगंतुक अतिथियों एवं खिलाड़ियों का स्वागत पूर्व सांसद प्रदीप कुमार बालमुचू ने किया । टूनार्मेंट के सफल आयोजन में संगठन के सचिव खुर्शीद, कोषाध्यक्ष फिरोज खान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा ,सरफराज, अमित, विष्णु महतो ,राहुल गुप्ता, विनोद का सराहनीय योगदान रहा।

क्लासेन फिट, इंग्लैंड के खिलाफ खेलने की संभावना

एजेंसी

कराची। दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन कोहनी की चोट से उबर चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी मुकाबले में खेलने के लिए तैयार हैं। कप्तान टेम्बा बावुमा ने इसकी पुष्टि की। क्लासेन चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेल सके थे, और उनकी उपलब्धता को लेकर संदेह था। हालांकि, मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे उन्हें अतिरिक्त समय मिल गया। बावुमा ने कहा, ”हर

कोई फिट है, क्लासेन भी अब पूरी तरह ठीक हैं। यह टीम के लिए फायदेमंद है और सकारात्मक माहौल बनाता है। प्रोटियाज टीम अब शनिवार को कराची में इंग्लैंड के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप बी मैच खेलेगी। इंग्लैंड का सामना आज अफगानिस्तान से है, और इस मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दक्षिण अफ्रीका नेट रन रेट के आधार पर ग्रुप में शीर्ष पर है, हालांकि ऑस्ट्रेलिया के भी तीन अंक हैं। इंग्लैंड के खिलाफ जीत से दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में प्रवेश मिल जाएगा। बावुमा ने कहा, ”हम इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान मैच पर नजर रखेंगे। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि तालिका की स्थिति क्या होगी और हमें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए क्या करना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर बावुमा ने कहा, ”कागज पर इंग्लैंड मजबूत टीमों में से एक है, इसलिए हमें अपने सर्वश्रेष्ठ खेल के साथ उतरना होगा।

महिला हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 2 मार्च को

एजेंसी

रांची। झारखंड अस्मिता हॉकी लीग 2025 जूनियर और सब जूनियर (महिला) में भागीदारी के लिए सिमडेगा जिला टीम गठन के लिए महिला हॉकी खिलाड़ियों का खुली चयन ट्रायल दिनांक 02 मार्च को एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम सिमडेगा में भारतीय खेल प्राधिकरण (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय) एवम हॉकी इंडिया के सहयोग से हॉकी झारखंड के द्वारा झारखंड अस्मिता हॉकी लीग 2025 सब जूनियर और जूनियर महिला का आयोजन 17 से 24 मार्च 2025 तक रांची में आयोजित है। इन दोनो वर्गों के प्रतियोगिता में सिमडेगा जिला टीम को भी आमंत्रित किया गया।

जिसके लिए सिमडेगा टीम गठन हेतु खिलाड़ियों का खुली चयन ट्रायल दिनांक 02 मार्च 2025,दिन रविवार को प्रात:09.00 बजे से एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम सिमडेगा में होगी। इस चयन ट्रायल में सिमडेगा जिला वे महिला हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकते है जो सब जूनियर वर्ग के लिए 01 जनवरी 2009 को या उसके बाद जन्म लेने वाले खिलाड़ियों को तथा जूनियर वर्ग में 01 जनवरी 2006 को या उसके बाद जन्म लिए है। ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को आधार कार्ड, पंचायत या नगर परिषद द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, 10ईं क्लास का एडमिट कार्ड या अंक पत्र लाना अनिवार्य है।

स्टीव स्मिथ और मेग समेत कई बड़े सितारे इंग्लिश लीग में करेंगे धमाल

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हंड्रेड 2025 के लिए प्रत्यक्ष हस्ताक्षर सूची की पुष्टि कर दी है, जिसमें कई दिग्गज खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ वेल्श फायर में शामिल हुए हैं, जबकि महिला क्रिकेट की दिग्गज मेग लैनिंग ओवल इनविंसिबल्स वुमेन के लिए खेलेंगी।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान, जो 2021 से ट्रेंट रॉकेट्स का हिस्सा थे, अब ओवल इनविंसिबल्स में शामिल हो गए हैं। एलिसे पेरी बर्मिंघम फीनिक्स के साथ बनी रहेंगी, जबकि मेगन शुट्ट को उनकी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के रूप में साइन किया गया है। पुरुष टीम ने लियाम

लिविंगस्टोन, डैन मूसली, जैकब बेथेल, बेन डकेट और ट्रेंट बोल्ट को बनाए रखा है। लंदन स्पिरिट ने जैक क्रॉली को रिलीज कर दिया, जो हाल ही में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। उनकी जगह न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन को शामिल किया गया है। वहीं, महिला टीम ने लैनिंग को रिलीज कर दिया, जबकि ग्रेस हैरिस टीम में बनी रहेंगी। मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने जोस बटलर, फिल साल्ट और हेनरिक क्लासेन को बनाए रखा है। महिला टीम में अमेलिया केर और सोफी एक्लेस्टोन की जोड़ी नजर आएगी। नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स ने हैरी ब्रूक, आदिल राशिद को बनाए रखा है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर अब यॉर्कशायर की ओर से खेलेंगे। साउदर्न ब्रेव ने फाफ डु प्लेसिस को अपने प्रत्यक्ष हस्ताक्षर के रूप में नामित किया है, जबकि जेम्स विंस, जोफ्रा आर्चर, टाइमल मिल्स, क्रिस जॉर्डन और क्रेग ओवरटन टीम के कोर प्लेयर्स बने रहेंगे। महिला टीम में डेनिएल व्याट-हॉज बनी रहेंगी, जबकि लौरा वोल्वार्ड्ट को नया हस्ताक्षरकर्ता बनाया गया है। वेल्श फायर ने अपने शीर्ष क्रम को मजबूत करने के लिए स्टीव स्मिथ को अनुबंधित किया है। जॉनी बेयरस्टो, टॉम कोहलर-कैडमोर और टॉम एबेल को टीम में बरकरार रखा गया है। महिला टीम में हेले मैथ्यूज, टैमी ब्यूमोंट और शबनिम इस्माइल अपना खेल जारी रखेंगी।2022 के चैंपियन ट्रेंट रॉकेट्स ने जो रूट, टॉम बैंटन और सैम हैन को बनाए रखा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस इस बार पीले रंग में नजर आएंगे। महिला टीम में अलाना किंग, हीथर ग्राहम और ऐश गार्डनर शामिल हैं। इंग्लैंड की स्टार ऑलराउंडर नैट साइवर-ब्रंट भी इस सीजन में टीम का हिस्सा बनी रहेंगी। हंड्रेड 2025 के इस रोमांचक सीजन में दुनिया भर के क्रिकेट सितारे एक बार फिर इंग्लैंड में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

मैक्सिको में एटीपी मैक्सिको ओपन टेनिस में रिटर्न शॉट लगाते हुए डेनमार्क के होल्जे रयून।

पूजा में जरूरी नियमों का पालन करें

अगर आप रोज पूजा करते हैं और आपका मन अशांत रहता है तो इसका मतलब है कि आपकी पूजा-पाठ में कहीं कुछ गलत हो रहा है। यहां जानते हैं कि पूजा के दौरान किन बातों का ध्यान रखें और कुछ जरूरी नियमों का पालन कैसे करें।

जानें क्या है पूजा के सही नियम

शिवजी, गणेशजी और भैरवजी को तुलसी नहीं चढ़ानी चाहिए।

तुलसी का पत्ता बिना स्नान किए नहीं तोड़ना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति बिना नहाए ही तुलसी के पत्तों को तोड़ता है तो पूजन में ऐसे पत्ते भगवान द्वारा स्वीकार नहीं किए जाते हैं।

सूर्य देव को शंख के जल से अर्घ्य नहीं देना चाहिए।

दूर्वा घास रविवार को नहीं तोड़नी चाहिए।

बुधवार और रविवार को पीपल के वृक्ष में जल अर्पित नहीं करना चाहिए।

प्लास्टिक की बोतल में या किसी अपवित्र धातु के बर्तन में गंगाजल नहीं रखना चाहिए। अपवित्र धातु जैसे एल्युमिनियम और लोहे से बने बर्तन। गंगाजल तांबे के बर्तन में रखना शुभ रहता है।

केतकी का फूल शिवलिंग पर अर्पित नहीं करना चाहिए।

किसी भी पूजा में मनोकामना की सफलता के लिए दक्षिणा अवश्य चढ़ानी चाहिए।

मां लक्ष्मी को विशेष रूप से कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस फूल को पांच दिनों तक जल छिड़क कर पुन: चढ़ा सकते हैं।

घर के मंदिर में सुबह और शाम को दीपक अवश्य जलाएं। एक दीपक घी का और एक दीपक तेल का जलाना चाहिए।

सूर्य, गणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु, ये पंचदेव कहलाते हैं। इनकी पूजा सभी कार्यों में अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। प्रतिदिन पूजन करते समय इन पंचदेव का ध्यान करना चाहिए। इससे लक्ष्मी कृपा और समृद्धि प्राप्त होती है।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

महाशिवरात्रि : शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।

नंदी बैल : भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित : शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

फाल्गुन में करें भगवान कृष्ण की विशेष पूजा

हिन्दू पंचांग का अंतिम महीना फाल्गुन मास का होता है। ये वही समय होता है जब बसंत ऋतु का भी आगमन होता है। इस महीने की पूर्णिमा को फाल्गुनी नक्षत्र के रूप में देखा जाता है। इसलिए इस महीने का नाम फाल्गुन मास रखा गया है। फाल्गुन मास में भगवान कृष्ण की विशेष पूजा की जाती है। इस महीने उनकों पीले फूल अर्पण करने से निसंतानों को संतान की प्राप्ति होती है। आप इसी महीने में कृष्ण के तीनों स्वरूपों, बाल कृष्ण, युवा कृष्ण और गुरु कृष्ण की पूजा की जा सकती है। ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति के लिए गुरु कृष्ण की पूजा अत्यंत लाभकारी है।

करे यें महाउपाय

फाल्गुन मास में सूर्य उदय होने से पहले उठे और अपने स्नान के जल में एक चम्मच गुलाबजल मिलाकर स्नान करें। आप भोजपत्र को अपने पूजन स्थल में रखकर एक दीया जलायें और गायत्री मंत्र का 3 माला जाप करें। ये महाउपाय आपके जीवन में सदैव खुशियां बरकरार रखेंगे।

अपने कुलगुरु देवी देवता की उपासना जरूर करें।

भगवान श्रीकृष्ण को पूरे महीने नियमित रूप से शुद्ध अबीर गुलाल के साथ साथ पीले फल अर्पण करें। इससे गुस्से या चिड़चिड़ाहट की समस्या से राहत मिलेगी।

अपने स्नान के जल में सुगन्धित केवड़ा मिलाकर स्नान करें और चन्दन की सुगंध का प्रयोग करें। इससे मानसिक अवसाद की शिकायत दूर होगी।

भगवान शिव को पूरे महीने पंचामृत के साथ साथ सफ़ेद चंदन भी अर्पित करें और ऊँ नमः शिवाय का मन ही मन जाप करें। ऐसा करने से आप स्वस्थ रहेंगे।

माँ लक्ष्मी को शुद्ध गुलाब का इत्र या लाल गुलाब के 5 या 11 फूल जरूर अर्पण करें। इससे घर में लक्ष्मी की कभी कमी नहीं होगी।

फाल्गुन महीने को आनंद और उल्लास का महीना भी माना जाता है। फाल्गुन मास के आगमन के साथ गर्मी की शुरुआत होती है और सर्दी कम होने लगती है। बसंत का प्रभाव होने के चलते, इस महीने में रिश्तों में मधुरता आती है और पूरा वातावरण मनमोहक रहता है। हिंदू मान्यता के दो सबसे बड़े त्योहार, महाशिवरात्रि और होली इसी महीने मनाए जाते हैं। ऐसे में बदलती ऋतु के साथ अपना खानपान भी बदलना होगा । घी, खिचड़ी का सेवन कर सकते हैं। इस महीने में सुबह जल्दी स्नान करना भी शुभ माना गया है।

चंद्रमा को करें जल अर्पण

ऐसा कहा जाता है कि फाल्गुन महीने में चंद्रमा का जन्म हुआ था। इस समय चंद्रमा की जल अर्पण करके पूजा करने से विशेष कृपा बरसती है। चंद्र को जल अर्पण करने से आपका चंचल मन भी शांत हो जाता है।

ये सावधानी रखें

फाल्गुन महीने की शुरुआत से ही शीतल या सामान्य जल से स्नान करें। रात्रि के समय भोजन में अनाज का प्रयोग कम से कम करें। फल सब्बजियों का सेवन कर सकते हैं। कपडे ज्यादा रंगीन और सुन्दर धारण करें ,सुगंध का प्रयोग भी कर सकते हैं। नियमित रूप से भगवान कृष्ण की पीले फूलों से उपासना करें और शुद्ध घी का दीया जलांए।

अपने बड़ों का आर्शीवाद लेना ना भूलें। इससे रुके हुए कार्य पूरे होंगे और ज्यादा दुविधा का भी सामना नहीं करना पड़ेगा।

अमंगल हारी हैं देवाधिदेव भगवान शिव

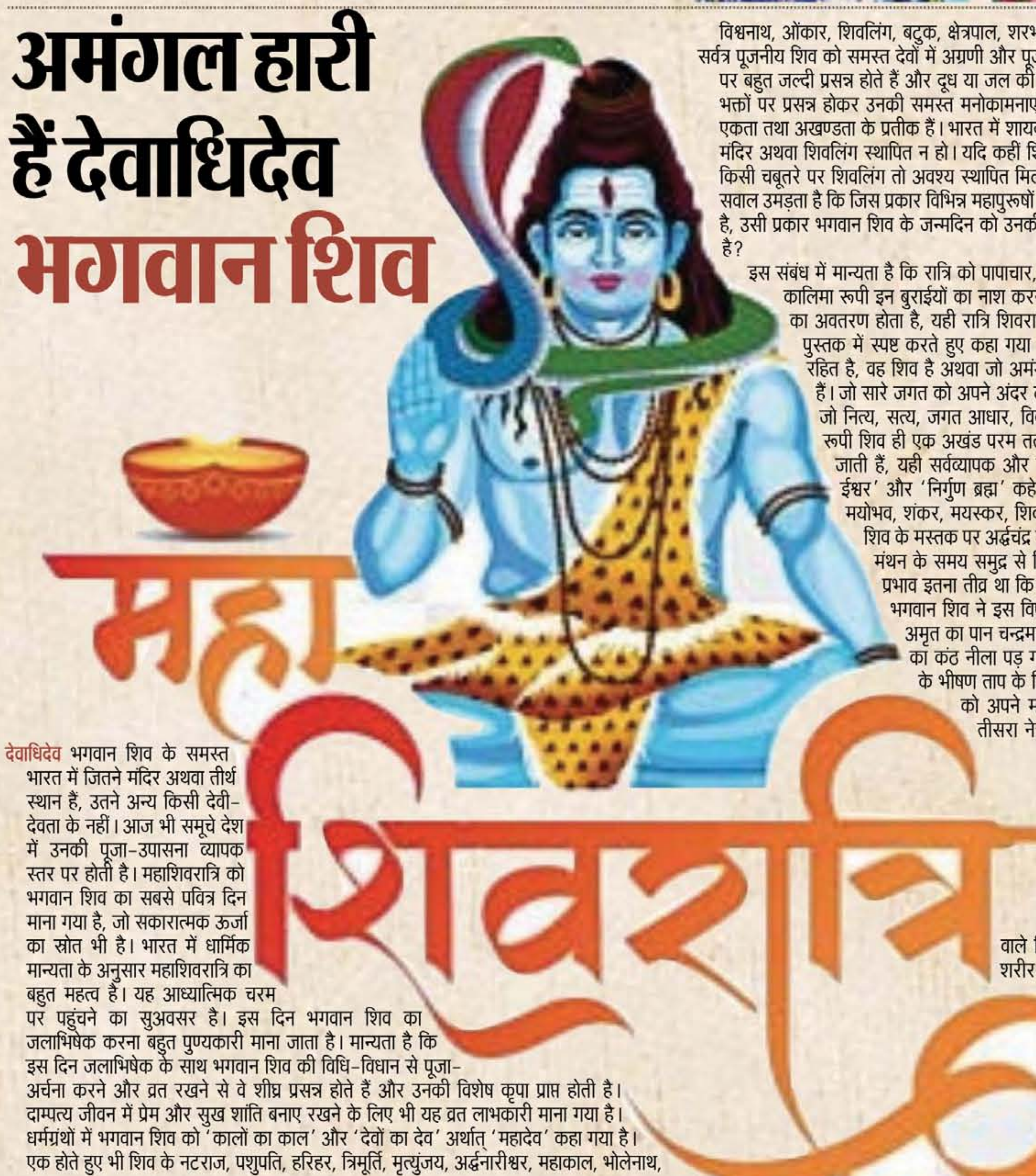

देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

भगवान शिव के 12 अनमोल वचन

भगवान शिव दुनिया के सभी धर्मों का मूल हैं। शिव के दर्शन और जीवन की कहानी दुनिया के हर धर्म और उनके ग्रंथों में अलग-अलग रूपों में विद्यमान है। भगवान शिव के अनमोल वचनों को 'आगम ग्रंथों' में संग्रहित किया गया है। आगम का अर्थ ज्ञान अर्जन। पारंपरिक रूप से शैव सिद्धांत में 28 आगम और 150 उप-आगम हैं। शिव पुराण, शिव संहिता, शिव सूत्र, महेश्वर सूत्र और विज्ञान भैरव तंत्र सहित अनेक ग्रंथों में अनमोल वचनों को संग्रह करके रखा गया है। उनमें से ही कुछ अनमोल मोती...

- कल्पना ज्ञान से महत्वपूर्ण : आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि 'कल्पना' ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है। हम जैसी कल्पना और विचार करते हैं, वैसे ही हो जाते हैं। सपना भी कल्पना है। अधिकतर लोग खुद के बारे में या दूसरों के बारे में बुरी कल्पनाएं या खयाल करते रहते हैं। दुनिया में आज जो दहशत और अपराध का माहौल है उसमें सामूहिक रूप से की गई कल्पना का ज्यादा योगदान है।
- बदलाव के लिए जरूरी है ध्यान : आदमी को बदलाहट की प्रामाणिक विधि के बिना नहीं बदल सकते। मात्र उपदेश से कुछ नहीं बदलता। भगवान शिव ने अमरनाथ गुफा में माता पार्वती को मोक्ष की शिक्षा दी थी। पार्वती और शिव के बीच जो संवाद होता है उसे 'विज्ञान भैरव तंत्र' में संग्रह किया गया है। इसमें ध्यान की 112 विधियां संग्रहीत है।
- शून्य में प्रवेश करो : विज्ञान भैरव तंत्र में शिव पार्वतीजी से कहते हैं, 'आधारहीन, शाश्वत, निश?चल आकाश में प्रविष?ट होओ।' वह तुम?हारे भीतर ही है। भगवान शिव कहते हैं- 'वामो मार्ग: परमगहनो योगितामप्यगम्य:' अर्थात वाम मार्ग अत्यंत गहन है और योगियों के लिए भी अगम्य है। -मेरुतंत्र...भगवान शिव के योग को तंत्र या वामयोग कहते हैं। इसी की एक शाखा हठयोग की है।
- आदमी पशुवत है : मनुष्य में जब तक राग, द्वेष, ईर्ष्या, वैमनस्य, अपमान तथा हिंसा जैसी अनेक पाशविक वृत्तियां रहती हैं, तब तक वह पशुओं का ही हिस्सा है। पशुता से मुक्ति के लिए भक्ति और ध्यान जरूरी है।

भगवान शिव के कहने का मतलब यह है कि आदमी एक अजायबघर है। आदमी कुछ इस तरह का पशु है जिसमें सभी तरह के पशु और पक्षियों की प्रवृत्तियां विद्यमान हैं। आदमी ठीक तरह से आदमी जैसा नहीं है। आदमी में मन के ज्यादा सक्रिय होने के कारण ही उसे मनुष्य कहा जाता है, क्योंकि वह अपने मन के अधीन ही रहता है।

- मरना सीखो : यदि जीवन में कुछ सीखना है तो मरना सीखो। जो मरना सीख जाता है वही सुंदर ढंग से जीना जानता है।
- गायत्री मंत्र : ''गायत्री-मंजरी' में 'शिव-पार्वती संवाद' आता है जिसमें भगवती पूछती हैं- 'हे देव! आप किस योग की उपासना करते हैं जिससे आपको परम सिद्धि प्राप्त हुई है?' उन्होंने उत्तर दिया- 'गायत्री ही वेदमाता है और पृथ्वी सबसे पहली और सबसे बड़ी शक्ति है। वह संसार की माता है। गायत्री भूलोक की कामधेनु है। इससे सब कुछ प्राप्त होता है। ज्ञानियों ने योग की सभी क्रियाओं के लिए गायत्री को ही आधार माना है।'
- जीवन को सुखमयी बनाने के लिए : भोजन और पान (पेय) से उत्पन्न उल्लास, रस और आनंद से पूर्णता की अवस्था की भावना भरें, उससे महान आनंद होगा। या अचानक किसी महान आनंद की प्राप्ति होने पर या लंबे समय बाद बंधु-बांधव के मिलन से उत्पन्न होने वाले आनंद का ध्यान कर तल्लीन और तन्मय हो जाएं।
- प्रकृति का सम्मान करो : प्रकृति हमें जीवन देने वाली है, इसका सम्मान करो। जो इसका अपमान करता है समझो मेरा अपमान करता है। दुनिया का हर काम प्रकृति के नियमों और तरीकों से ही होता है, लेकिन अहंकार से ग्रसित लोग ऐसा मानते हैं कि सबकुछ वही कर रहे हैं।
- योग की शक्ति को समझो

विस्मयो योगभूमिका:। स्वपदंशक्ति। वितर्क आत्मज्ञानमू। लोकानन्द: समाधिसुखम्। -शिवसूत्र

अर्थात: विस्मय योग की भूमिका है। स्वयं में स्थिति ही शक्ति है। वितर्क अर्थात विवेक आत्मज्ञान का साधन है। अस्तित्व का आनंद भोगना समाधि है।

- अपनी तरफ देखो- न तो पीछे, न आगे। कोई तुम्हारा नहीं है। कोई बेटा तुम्हें नहीं भर सकेगा। कोई संबंध तुम्हारी आत्मा नहीं बन सकता। तुम्हारे अतिरिक्त तुम्हारा कोई मित्र नहीं है। -शिवसूत्र
- माया को समझो :

आत्मा चित्तम्। कलादीनां तत्वानामविवेको माया। मोहावरणात् सिद्धि:। जाग्रद् द्वितीय कर:। -शिवसूत्र

अर्थात आत्मा चित्त है। कला आदि तत?वों का अविवेक ही माया है। मोह आवरण से युक्त को सिद्धियां तो फलित हो जाती हैं, लेकिन आत्मज्ञान नहीं होता है। स्थायी रूप से मोह जय होने पर सहज विद्या फलित होती है। ऐसे जाग्रत योगी को, सारा जगत मेरी ही किरणों का प्रस्फुरण है, ऐसा बोध होता है।

- अपनी जागरूकता का विस्तार करो। अन्य प्राणियों के शरीर में अपनी जागरूकता का विस्तार करके महसूस करो कि वे क्या सोचते हैं। अपने शरीर की जरूरतों को एक तरफ छोड़ दो।- शिवसूत्र

आगे खिसकी 'द डिप्लोमैट' की रिलीज डेट...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द डिप्लोमैट' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का दमदार ट्रेलर भी जारी किया गया था, जिसके बाद दर्शकों के बीच फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साह बढ़ गया, लेकिन अब उन्हें फिल्म की रिलीज के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि 'द डिप्लोमैट' अब तय समय पर रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया है। अब यह फिल्म 14 मार्च को रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 7 मार्च को रिलीज होने वाली थी। द डिप्लोमैट की कहानी, पटकथा और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं।

लाइफ Style

सामंथा

लव लाइफ को रखेंगी प्राइवेट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सामंथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मायोसाइटिस बीमारी से जूझ रही थीं। 'सिटाडेल' फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

सामंथा रुथ प्रभु ने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात ही है। उन्होंने बताया है कि वह जल्द ही 'बंगाराम' फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि 'रक्त ब्रह्मांड' सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है। सामंथा रुथ प्रभु ने बताया 'मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं।' उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार 'सिटाडेल; हनी बनी' में वरूण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था। सामंथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि 'सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।'

हॉलीवुड मसाला

अब भारत में धूम मचाने तैयार

लॉस एंजिल्स। 'द बूटलिस्ट' अब भारत में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 28 फरवरी को भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ब्रैडी कॉर्बेट द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एड्रियन ब्रॉडी, फेलिसिटी जोन्स, गाइ पीयर्स, जो अल्विन, राफे कैसिडी, स्टेसी मार्टिन, इसाक डी बैंकोले और एलेसेंड्रो निवोला जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं। कहानी लास्जलो टोथ (एड्रियन ब्रॉडी) की है, जो एक दूरदर्शी वास्तुकार है, जो युद्ध के बाद के यूरोप से भाग जाता है और अपने जीवन, अपने काम और अपनी पत्नी एर्जबेट (फेलिसिटी जोन्स) के साथ अपने विवाह को फिर से बनाने के लिए अमेरिका आता है।

ऑस्कर में परफॉर्म करेंगी एरियाना ग्रांडे

लॉस एंजिल्स। 97वें ऑस्कर अवॉर्ड में हॉलीवुड इंडस्ट्री के बड़े सितारे अपना परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार हैं। विकेड फिल्म के चर्चित कलाकार एरियाना ग्रांडे और सिंथिया एरिवो स्टेज पर अपना परफॉर्मेंस देने जा रही हैं। वैराइटी के अनुसार, एरियाना ग्रांडे और सिंथिया एरिवो के साथ लिसा की भी प्रस्तुति होने वाली है। लिसा को 'ब्लैकपिंक' ग्रुप पॉप के साथ 'द व्हाइट लोटस' में उनकी हालिया भूमिका के लिए जानी जाती हैं। वैराइटी की न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने लॉस एंजिल्स मास्टर चोरेल की विशेष उपस्थिति की भी घोषणा की गई है। ऑस्कर समारोह का आयोजन 2 मार्च 2025 को होगा। भारतीय समयानुसार ऑस्कर अवॉर्ड इस साल 3 मार्च 2025 को सुबह 5:30 बजे से 8:30 बजे तक प्रसारित होगा।

हनी सिंह ने मेरा करा दिया कमबैक...

नई दिल्ली। हाल ही में सिंगर, रैपर हनी सिंह ने अपना एक नया गाना रिलीज किया है, इस गाने में एक्ट्रेस ईशा गुप्ता नजर आ रही हैं। हनी के गाने में ईशा के डांस की खूब चर्चा हो रही है। हाल ही में एक्ट्रेस ने भी इस गाने पर बात की। इसे अपने करियर के लिए काफी खास बताया। पैपराजी से बात करते हुए एक्ट्रेस ईशा ने हनी सिंह की तारीफ की है। वह मानती हैं कि हनी के गाने में तहलका मचाया हुआ है। अचानक एक पैपराजी ईशा को कहता है कि आपने तो हनी सिंह का कमबैक करवा दिया। इस पर ईशा कहती हैं कि अरे नहीं, ऐसा नहीं। बल्कि, हनी सिंह ने मेरा कमबैक करवाया। हनी सिंह और ईशा गुप्ता वाले जिस गाने की चर्चा इन दिनों सोशल मीडिया पर हो रही है, उसकी खास बात ये हैं इसमें एक भोजपुरी सिंगर को भी रैपर ने गाने का मौका दिया है।

37 साल बाद तलाक लेंगे गोविंदा-सुनीता

नई दिल्ली। गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने कथित तौर पर अलग होने का फैसला किया है। इन दोनों ने यह फैसला शादी के 37 साल बाद लिया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा अक्सर एक साथ कई शोज में साथ नजर आते थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बॉलीवुड का यह कपल बीते कुछ वक्त से एक-दूसरे से अलग रह रहा है। कथित तौर पर बताया जा रहा है कि गोविंदा और सुनीता आहूजा की अलग-अलग लाइफ स्टाइल ने उनके बीच दूरियां पैदा कर दी हैं। गोविंदा और सुनीता आहूजा पिछले कुछ समय से अलग रह रहा है। अभी तक, न तो गोविंदा और न ही सुनीता आहूजा ने तलाक की अफवाहों पर कोई आधिकारिक बयान दिया है। बॉलीवुड नाउ के मुताबिक, गोविंदा का एक मराठी एक्ट्रेस के साथ कथित संबंध तलाक का कारण बना है।

टीवी मसाला

एआई के गलत इस्तेमाल से परेशान हुए अमिताभ

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति 16' के लेटेस्ट एपिसोड में शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने एआई पर बात की। अमिताभ ने 'केबीसी 16' के कंटेस्टेंट प्रियांशु से कहा, "मेरा अभी तक एआई के साथ जो परिचय हुआ है, वो गलत ही हुआ है। लोग मेरे चेहरे का इस्तेमाल कर न जाने क्या-क्या बना देते हैं और लिपसिंक कर देते हैं। फिर आम जनता को लगता है कि ये असल में मैं हूं।' बिग बी यहीं नहीं रुके। उन्होंने एक किस्सा भी शेयर किया। बिग बी ने आगे कहा, एक बार, अफ्रीका से मेरे एक प्रशंसक ने मुझे एक तस्वीर भेजी। बता दूं, मैं उनसे आज तक कभी नहीं मिला। उन्होंने जो तस्वीर भेजी उस तस्वीर में मैं कहीं बैठकर कंप्यूटर पर टाइप कर रहा था। मैंने उससे पूछा कि तुम्हें यह तस्वीर कहां से मिली। उसने कहा कि वह मेरा गाना सुन रहा था और एआई की मदद से ये तस्वीर बना रहा था। वो तस्वीर बिल्कुल रियल लग रही थी। क्या यह संभव है? इस पर प्रियांशु कहते हैं, 'हां! आजकल डीपफेक की मदद से ये हो रहा है। प्रियांशु ने बिग बी को बताया कि वह आईआईटी में हैं। उन्होंने कहा, एक बार मैंने सोचा था कि डीपफेक का कोर्स करूं, लेकिन इसका सिलेबस देखने के बाद मैंने हाथ जोड़ लिए। बता दें, प्रियांशु 25 लाख रुपए के सवाल तक पहुंचे थे। हालांकि, उन्हें उस सवाल का जवाब नहीं पता था। ऐसे में उन्होंने क्विट कर दिया और 12,50,000 रुपए लेकर चले गए।

फराह ने उड़ाया गौरव की बीमारी का मजाक

नई दिल्ली। अनुपमा शो के स्टार गौरव खन्ना इन दिनों शो सेलिब्रिटी मास्टर शेफ इंडिया में नजर आ रहे हैं जहां वह खूब कुकिंग भी करते हैं। शो में जज के तौर पर फराह खान नजर आती हैं। गौरव को कलर

ब्लाइंडनेस की दिक्कत है और वह पहले एक इंटरव्यू में कई साल पहले बता चुके हैं। अब हाल ही में शो के दौरान फराह, गौरव को कुछ ऐसा बोल देती हैं कि सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है और उन्हें काफी इंसेसिटिव बता रहे हैं। दरअसल, हाल ही में एक एपिसोड के दौरान सभी सेलेब्स को फराह का फेमस रोस्ट चिकन बनाने को बोला जाता है। सभी को फराह का रोस्ट चिकन टेस्ट करने को कहा गया, लेकिन क्योंकि गौरव वेजिटेरियन हैं तो वह टेस्ट नहीं करते और दूसरों से फ्लेवर के बारे में पूछते हैं। इसके बाद वह डिश बना देते हैं, लेकिन प्रेजेंटेशन में उन्हें दिक्कत आती है।

'पठान' के सीक्वल में शाहरुख-दीपिका

तपन बक्सी ▶▶| मुंबई

हिंदी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी! 2023 में आई हाई-वोल्टेज स्पाई एक्शन एडवेंचर फिल्म 'पठान' से शाहरुख खान ने अपने कॅरियर में जबरदस्त वापसी की थी। इस फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। अब उसी ब्लॉकबस्टर फिल्म का सीक्वल लेकर आ रही है यशराज फिल्म्स। 'पठान 2' की स्क्रिप्ट लिखने का काम पूरा हो चुका है और फिलहाल डायलॉग्स को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सबसे बड़ी खबर यह है कि इस साल ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तारीख तय हो चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाली इस फिल्म के मुख्य कलाकार इसके सीक्वल में भी बने रहेंगे। यानी हमें फिर से पठान के रूप में शाहरुख खान, रुबीना के रूप में दीपिका पादुकोण,और कर्नल सुनील लूथरा के किरदार में आशुतोष राणा नजर आएंगे। स्क्रिप्ट राइटर अब्बास टायरवाला ने बताया चूंकि 'पठान' की तरह 'पठान 2' में भी तालियों और सीटी बजाने लायक डायलॉग्स होंगे, इसलिए उन्हें और बेहतर बनाने का काम चल रहा है ताकि दर्शकों पर जबरदस्त असर पड़े। हिंदी सिनेमा के दर्शकों को याद होगा कि 2023 में रिलीज हुई शाहरुख और दीपिका की फिल्म "पठान" ने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक नया इतिहास रचा था। इस समय शाहरुख खान अपनी प्रोडक्शन कंपनी के तहत, सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में "किंग" फिल्म की शूटिंग की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें उनकी बेटी सुहाना खान भी अभिनय कर रही हैं। यह फिल्म 2026 के मध्य में रिलीज होने वाली है। यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स में पहले भी कैटरीना कैफ को जोया के रूप में टाइगर फ्रेंचाइजी में दोहराया गया था। इस सीरीज की एक था टाइगर , टाइगर जिंदा है और अन्य फिल्मों ने शानदार सफलता हासिल की।

'शिवाय' से लेकर 'ब्रह्मास्त्र' तक भगवान शिव को समर्पित हैं ये फिल्में

नई दिल्ली। आज (26 फरवरी) को देशभर में महाशिवरात्रि मनाई जा रही है। इस खास मौके पर हम आपको उन फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो भगवान शिव को समर्पित हैं।

शिवाय : शिवाय फिल्म में अजय देवगन ने एक माउंटेनियर का रोल निभाया था, जिसका नाम शिवाय होता है। फिल्म में उन्होंने भगवान शिव के चरित्र को दिखाने को कोशिश की थी। दिलचस्प बात ये है कि अजय देवगन ने अपनी सीने में भगवान शिव का टैटू भी बनवाया है।

केदारनाथ : सारा अली खान और सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म केदारनाथ को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। इस मूवी की कहानी पूरी तरह से केदारनाथ मंदिर के ईर्द गिर्द घूमती हैं, जहां पर भगवान शिव की मूर्ति स्थापित है।

बाहुबली : एसएस राजामौली की 'बाहुबली' का सीन एक सीन तो याद होगा, जिसमें प्रभास भारी-भरकम शिवलिंग को उठाकर अपने कंधे पर उठा लेते हैं और फिर उसे झरने के नीचे रख देते हैं। ये बाहुबली फिल्म का सबसे पॉपुलर सीन है।

सैटेलाइट शंकर : सूरज पंचोली की फिल्म सैटेलाइट शंकर भी काफी चर्चा में रही। ये मूवी भी भगवान शिव से कनेक्टेड है। इसकी कहानी भगवान शिव के बारे में बहुत कुछ बयां करती है।

ब्रह्मास्त्र : अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी 'ब्रह्मास्त्र' में रणबीर कपूर ने शिवा का किरदार निभाया था, जिसके कुछ खास शक्तियां हैं। इस फिल्म का लोगो साल 2019 में महाशिवरात्रि के मौके पर प्रयागराज के कुंभ मेले से लॉन्च किया गया था।

जैसे शिव कथा अनंत है वैसे ही फिल्मों में शिव और शिव संबंधित गीत हैं अनंत

महाशिवरात्रि : जय-जय शिव शंकर, कांटा लगे न कंकर...

मुंबई। हिन्दी सिने प्रेमियों को सबसे पहले याद आएगा गाना, 'जय जय शिव शंकर, कांटा लगे न कंकर...'। जैसे शिव कथा अनंत है वैसे ही फिल्मों में शिव और शिव संबंधित अनंत गीत हैं। शिवरात्रि मतलब भगवान शिव! जो एक साथ सृजनकर्ता और विध्वंसकर्ता दोनों हैं। शिव मतलब महादेव, मतलब त्रिनेत्र, त्रिलोकी, मतलब नृत्य, मतलब तांडव। तांडव मतलब सब नष्ट-भ्रष्ट कर देने को उद्धत। मतलब जो जीर्ण-शीर्ण को नष्ट कर नए के लिए स्थान बनाए और लास्य करे। शिव मतलब रहस्य! जिसे समझना आसान नहीं है, पर जिसकी आराधना की जाती है, पूजा की जाती है। जब भारत में बनी फिल्मों की बात आती है तो भला हम शिव को कैसे भूल सकते हैं? और जब शिव और उनसे जुड़ी बातों की चर्चा फिल्म में होती है, तो बनारस यानी काशी अनायास चली आती है। चाहे सत्यजित राय हों अथवा ऋतुपर्ण घोष, बनारस के आकर्षण से बच नहीं पाते हैं। लेकिन, जब सिने-गीतों में शिव और शिव से जुड़ी फिल्मों-गीतों की बात आती है, तो कान में सबसे पहले गूंजने लगता है, 'ओम शिवो अहम, शिवो अहम...' और आंख के सामने 2009 में बनी तमिल फिल्म 'नान कडावुल' (अहम ब्रह्मास्मि) का नायक आर्या और उसका शक्तिशाली अभिनय और नृत्य घूमने लगता है।

तमिल फिल्म 'नान कडावुल' और काशी

फिल्म के निर्देशक हैं, प्रसिद्ध बाला, उन्होंने इसे जगमोहन के तमिल उपन्यास 'एषामउलगम' (सातवीं दुनिया) पर आधारित किया है। जगमोहन ने ही 'नान कडावुल' के संवाद लिखे हैं। हिन्दी संवाद स्वरूप श्रीनिवास ने तैयार किए हैं। मगर दाद देनी होगी नायक और कोरियोग्राफर (जिसका नाम मुझे मिला नहीं) की। इस फिल्म में जब रुद्रन का पिता उसे काशी में छोड़ कर चला जाता है, तो वह अघोरी के रूप में बड़ा होता है। मगर जब परिवार उसे वापस लाता है तो उसके लिए सांसारिक जीवन में एडजस्ट होना कठिन होता है। पूरी फिल्म में 7 गाने हैं जिनका संगीत दक्षिण के प्रसिद्ध संगीतकार इलैईराजा ने दिया है। ओम शिवो अहम, शिवो अहम...' गीत विजय प्रकाश और वाली ने लिखा है। सिनेमाटोग्राफर हैं, आर्दर ए. विल्सन। विभिन्न 9 पुरस्कारों से सजी यह फिल्म देखनी बनती है।

मलयालम की फिल्म सोलो

यदि शिव से जुड़ी फिल्म देखनी है तो मलयालम के प्रसिद्ध और खूबसूरत अभिनेता दुल्खर सुल्तान तथा निर्देशक बिजय नम्बियार की फिल्म 'सोलो देखें। फिल्म एक एंथॉलॉजी है जो चार भिन्न लोगों की कहानी कहती है। चारों में नायक दुल्खर सलमान ही हैं। कहानी चार विभिन्न तत्वों: क्षिति, जल, पावक, समीर के इर्द-गिर्द घूमती है। स्क्रीनप्ले भी विजय नम्बियार का है तथा संवाद कार्तिक आर. अय्यर के हैं। और सिनेमाटोग्राफर हैं सेजल शाह, मधु नीलकंठन तथा गिरीश गंगाधरन।

शिव के इर्द-गिर्द हिन्दी सिनेमा

हिन्दी सिने प्रेमियों को सबसे पहले याद आएगा गाना, 'जय जय शिव शंकर, कांटा लगे न कंकर...'। शिव की बात हो और भांग न घुटे यह कैसे हो सकता है, सो यहां फिल्म 'आपकी कसम' में एक जमाने के सर्वप्रिय अभिनेता राजेश खन्ना और फिल्म की नायिका मुमताज ने भांग चढ़ा ली है। खूबसूरत हिमालय और उसकी वादी में फिल्माया गया यह गीत खूब चला और आज भी बराबर सुनाई देता है। 1974 में बनी यह फिल्म निर्देशक जे. ओम प्रकाश की पहली फिल्म थी। इसमें राजेश खन्ना, मुमताज के अलावा संजीव कुमार, रहमान, असरानी तथा ए. के. हंगलने भी काम किया है। संगीत आर. डी. बर्मन का है और उन्हें इस फिल्म केलिए फिल्मफेयर नामांकन मिला था। गीतकार आनंद बख्शी का रचा यह गीत उस साल बिनाका गीतमाला की वार्षिक सूची में दूसरे नंबर पर रहा।

शोले फिल्म की यादें आज भी ताजा

शोले फिल्म के संवादों ने एक नया इतिहास कायम किया। इससे पहले फिल्म के संवाद के कैसेट शायद ही बिके, शायद ही खरीदे और बजाए जाते थे। एक-एक संवाद लोगों को जबानी याद हो गया था। अब जब संवादों की बात हो रही है तो भुलक्कड़, चुलबुली हेमामालिनी यानि बसंती का वो डॉयलॉग याद करें जब उसे मंदिर जाना था लेकिन डाकिए का चश्मा देने वह इमाम साहब के यहां चली आती है और थोड़ी बकबक करने के बाद उसे मंदिर की याद आती है। तांगेवाली पूजा की थाली लिए मंदिर पहुंचती है। वह मौसी के कहे पर सोमवार के सोमवार शिवजी के मंदिर में माथा टेकने पहुंचती है, ताकि ऐसा पति मिले कि दुनिया जले। मगर उसके नंदी (शिव की सवारी) को माथा टेकने से पहले धर्मेंद्र विशाल शिव मूर्ति के पीछे पहुंच कर शिवजी के रूप में कन्या को संबोधित कर बताता है कि उसके होने वाले पति का नाम वीरू है।

महाशिवरात्रि पर शोभायात्रा का भव्य आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गौरी शंकर महादेव मंदिर, नोएडा सेक्टर 27, बी ब्लॉक में एक दिव्य और भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा भगवान शिव की अनुकंपा से भक्तिमय माहौल में संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस आयोजन में विशेष रूप से पूनम शर्मा, किरन बंसल, छवी शर्मा, गीता तलवार और पुष्पा अवाना सहित कई गणमान्य व्यक्तियों और भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

धरा पर शिव के अवतरण का पर्व है शिवरात्रि : मंजू दीदी

नोएडा (चेतना मंच)। ब्रह्माकुमारीज सेक्टर-33 नोएडा द्वारा महाशिवरात्रि का पर्व बहुत ही उमंग उत्साह व हर्षोल्लास से मनाया गया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज सेक्टर-33 की संचालिका मंजू दीदी द्वारा उपस्थित भाई और बहनों को महाशिवरात्रि पर्व का आध्यात्मिक अर्थ बताया कि यह पर्व मनुष्य मात्र के कल्याण अर्थ परमात्मा शिव के इस धरा पर अवतरण का यादगार पर्व है।

परमात्मा शिव मनुष्य मात्र की सद्गति का ज्ञान देते हैं। जिसे अपने जीवन में अपनाकर हमें अपना और दूसरों का जीवन श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करना चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ साथ परमात्मा शिव का ध्वज लहरा कर महाशिवरात्रि पर्व को मनाया गया। शिव शंकर की बहुत सुंदर झांकी भी बनाई गई।

इस अवसर पर नवाब सिंह नागर पूर्व राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा संगठन के उपाध्यक्ष राजीव गोयल, निपुण भाई, ममता बहन, पूनम बहन व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वाणिज्यकर विभाग ने मनाया स्थापना दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। वाणिज्यकर विभाग सेक्टर-148 राज्यकर भवन में 77वां स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें बिक्रीकर विभाग से वस्तु एवं सेवा कर की विभागीय यात्रा पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवेक आर्य एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-2 ने तथा मंच का संचालन सत्येंद्र सिंह ने की।

विवेक आर्य ने कहा कि इस इन 77 वर्षों में अर्थव्यवस्था में अधिक विकास हुआ है। व्यापार के साथ साथ वित्तीय ढांचे में भी बहुत ज़बर्दस्त उछाल आया है। वस्तु एवं सेवाकर से बाज़ार में एकरूपता आयी है। राज्य सरकार द्वारा इस वित्तीय ढांचे में नये आयाम स्थापित किए गए हैं। वर्तमान समय विकास की धारा में बह रहा है। GST आने के बाद व्यापार और अधिक सुगम हुआ है। प्रदेश में प्रशासन के साथ साथ व्यापारी भी सभी भी हमारे साथ विशेष से सहभागी रहता है। उन्होने अंत में कहा कि इस प्रकार के आयोजन है सभी को जागरूकता मिलती है।

कवि व कथाकार शिवदयाल के सम्मान में 'साहित्यिक अड्डा'

नोएडा (चेतना मंच)। मुक्तांचल पत्रिका एवं गाथा प्रकाशन के 'साहित्यिक अड्डा' में इस बार पटना से कोलकाता आए कवि एवं कथाकार शिवदयाल व आभा सिन्हा के सम्मान में पत्रिका की संपादक डॉ. मीरा सिन्हा ने एक गोष्ठी का आयोजन किया। विद्यार्थी मंच के सचिव विवेक लाल ने कार्यक्रम की शुरुआत में कथाकार शिवदयाल के रचना संसार से उपस्थित लोगों को परिचित कराया। कोलकाता की प्रसिद्ध लेखिका शर्मिला बोहरा जालान ने कथाकार शिवदयाल के लिखे उपन्यास 'एक और दुनिया होती' के कथ्य संदर्भ को संक्षेप में उद्घाटित करते हुए कहा कि 'उपन्यास के केंद्र में जेपी के आदर्शों पर चलने की कोशिश करने वाला नायक है। उपन्यास को पढ़ने के बाद लगा कि इसमें सामाजिक और व्यक्तिगत संघर्षों का संतुलन है, जहाँ मुख्य पात्र अपने पिता की उम्मीदों और अमृत की प्रेरणाओं के बीच उलझा है। वह सामाजिक असमानता और व्यक्तिगत जीवन की चुनौतियों से जूझते हुए आत्म विश्लेषण और सामाजिक बदलाव के बीच संघर्ष करता है।' यह तो एक कोण है, उपन्यास को कई कोणों से पढ़ा जा सकता है। आगे उन्होंने कवि शिवदयाल के कविता संग्रह 'ताक पर दुनिया' का उल्लेख करते हुए कहा कि 'इसकी भूमिका अनामिका जी ने लिखी है। जिसके पहले अनुच्छेद से शिवदयाल जी के वैचारिक संसार को समझने की मेरी थोड़ी समझ बनी है।'

साहित्यिक अड्डा में कवि एवं कथाकार शिवदयाल के कविता संग्रह 'ताक पर दुनिया' से विवेक लाल व प्रिया श्रीवास्तव ने कुछ कविताओं का पाठ किया। अंत में शिवदयाल ने अपनी कुछ कविताओं का पाठ किया। आगे शिवदयाल जी ने अपने लेखकीय कार्य के गति और अपने उपन्यास 'एक और दुनिया होती' के भौतिक मर्म से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। उन्होंने 'साहित्यिक अड्डा' के आयोजन के लिए 'मुक्तांचल' पत्रिका की संपादक डॉ. मीरा सिन्हा के प्रति अपना आभार जताया और कहा कि अड्डा में शामिल होकर आनंदित हूँ।

इस गोष्ठी में महेश जायसवाल, ऋषेश पाण्डेय, डॉ. मीरा सिन्हा, सेराज खान बातिस, डॉ. विजया सिंह, सुशील कुमार पाण्डेय, प्रिया श्रीवास्तव, रूद्र कान्त झा, राज सार्थक, बलराम साव, शशि साव, स्वराज पाण्डेय, राव्या श्रीवास्तव व अन्य लोगों ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का सफल संचालन व धन्यवाद ज्ञापन विवेक लाल ने किया।

शारदा विवि में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

यह सम्मेलन सभ्यता, संस्कृति, सनातन व अध्यात्म पर आधारित है : पी.के. गुप्ता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शारदा विश्वविद्यालय के सोशल साइंसेज और ह्यूमैनिटीज स्कूल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'विज्ञान, आत्मा और स्वास्थ्य : इंटरसेक्शन्स का अन्वेषण' 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक आयोजित होगा। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ सदस्य, प्रचारक और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के डॉ. इंद्रेश कुमार उपस्थित होंगे। उनके साथ अतिथि के रूप में सचिदानंद जोशी, प्रोफेसर कपिल कपूर, पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती, अभिजीत हालदार और दीपक सिंघल भी मौजूद रहेंगे। साथ ही बी.आर. शंकरानंद, संयुक्त आयोजन सचिव, भारतीय शिक्षण मंडल, समापन समारोह में उपस्थित होंगे।

इस सम्मेलन के मुख्य विषयों में स्वास्थ्य देखभाल में आत्मा, मनोविज्ञान और आत्मा, भाषा, साहित्य और आत्मा, और सतत स्वास्थ्य और कल्याण शामिल हैं। प्रत्येक विषय यह स्पष्ट करेगा कि कैसे भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं में निहित आत्मा के सिद्धांत शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य की चुनौतियों से निपटने के लिए नए दृष्टिकोण और समाधान प्रदान कर सकते हैं। सम्मेलन में 150 से अधिक छात्र अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। शारदा विश्वविद्यालय के चांसलर पी.के. गुप्ता ने कहा कि आज के तेज़-तर्रार और अक्सर विभाजित समाज में विज्ञान, आत्मा और स्वास्थ्य का मिलन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। यह सम्मेलन भारतीय ethos—संभ्यता, संस्कृति, सनातन और अध्यात्म—पर आधारित है, जो यह अन्वेषण करता है कि प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक सोच के साथ कैसे सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। इस आयोजन का एक विशेष आकर्षण ISKCON द्वारा आयोजित संगीत संध्या होगी, जो स्वास्थ्य, कल्याण और आत्मा के व्यापक विषय के साथ गूंजते हुए एक सुंदर आयाम प्रस्तुत करेगी।

इस मौके पर डॉ. अन्विति गुप्ता, सम्मेलन की संयोजक और शारदा स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज की डीन भी मौजूद थीं।

फोनरवा ने बैठक में सड़क हादसों पर व्यक्त की चिंता

नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) की कार्यकारिणी की कमेटी की बैठक सेक्टर-52 के कार्यालय में हुई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने आये दिन सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाएं पर जिसमें अधिकांशत: दुपहिया वाहन होते है चिंता व्यक्त की। फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा और महासचिव के के जैन ने नोएडा कि सभी आरडब्ल्यूए के सभी पदाधिकारियों से अनुरोध किया है कि अपने अपने निवासियों को दोपहिया वाहन चलाते समय हैलमेट पहनने हेतु जागरूक करें। साथ ही यह भी अनुरोध है अपने सेक्टर में कार्यरत घर पर काम करनेवाले,कोरियर तथा अन्य कर्मचारियों जो दुपहिया वाहन से सेक्टर में प्रवेश करते हैं। ऐसे भी अनुरोध है वे अपने कर्मचारियों को बिना हेलमेट दोपहिया चालकों

चालकों को बिना हैलमैट के प्रवेश न करने दें। पेट्रोल पंप के मालिको से को पेट्रोल न देने कि शर्त के नियम का कड़ाई से पालन करवाए।

निवासियों के साथ जागरूकता अभियान के द्वारा हेलमेट पहनने के महत्व को समझाने के लिए सोसाइटीज में सेमिनार या छोटे इवेंट्स आयोजित करें।सोसाइटी के प्रवेश द्वारों और पार्किंग क्षेत्रों में हेलमेट अनिवार्यता के पोस्टर लगाएं। आरडब्ल्यूए द्वारा हेलमेट की अनिवार्यता को प्रोत्साहित करना निश्चित रूप से दुर्घटनाओं को कम करने में सहायक होगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, महासचिव केके जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक मिश्रा, सुशील यादव, एडवोकेट लाटसाहब लोहिया, उमा शंकर शर्मा, जी.सी. शर्मा, ए.के. सहगल, सतनारायण गोयल, श्याम सिंह यादव, प्रदीप मिश्रा, जयपाल सिंह, श्रीमती अंजना भागी, राजेश सिंह, देवेन्द्र कुमार, एम.ए खान, लक्ष्मी नारायण, आर के सिंह, दीपक शर्मा, भूषण शर्मा, सुनील वाधवा तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।